कार्यवाही विवरण

मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड (रायगढ़ डिविजन), ग्राम–सराईपाली, तहसील–तमनार, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) में प्रस्तावित क्षमता विस्तार स्पंज ऑयरन प्लांट (29,700 टन प्रतिवर्ष से 2,11,200 टन प्रतिवर्ष) के साथ अतिरिक्त नई इकाई पैलेट प्लांट 0.6 मिलियन टन प्रतिवर्ष एवं ऑयरन ओर बेनिफिकेशन 0.8 मिलियन टन प्रतिवर्ष, इण्डक्शन फर्नेस विथ सी.सी.एम. 2,10,000 टन प्रतिवर्ष, (हॉट चार्जिंग) रोलिंग मिल (ऑटोमेटिक) 2,05,800 टन प्रतिवर्ष, फेरो एलायज 9 एम.व्ही.ए. गुणा 3, (सिलिको मैग्नीज–45,000 टन प्रतिवर्ष, फेरो मैग्नीज–45,000 टन प्रतिवर्ष एवं फेरो सिलिकॉन–22,000 टन प्रतिवर्ष) एवं केप्टिव पॉवर 43 मेगावाट (0.5 मेगावाट से 18 मेगावाट द्वारा डब्ल्यू.एच.आर.बी. एवं 25 मेगावाट द्वारा ए.एफ.बी.सी. की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई **दिनांक 01 फरवरी 2024 का कार्यवाही विवरण** :–

भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अनुसार, मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड (रायगढ़ डिविजन), ग्राम–सराईपाली, तहसील–तमनार, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) में प्रस्तावित क्षमता विस्तार स्पंज ऑयरन प्लांट (29,700 टन प्रतिवर्ष से 2,11,200 टन प्रतिवर्ष) के साथ अतिरिक्त नई इकाई पैलेट प्लांट 0.6 मिलियन टन प्रतिवर्ष एवं ऑयरन ओर बेनिफिकेशन 0.8 मिलियन टन प्रतिवर्ष, इण्डक्शन फर्नेस विथ सी.सी.एम. 2,10,000 टन प्रतिवर्ष, (हॉट चार्जिंग) रोलिंग मिल (ऑटोमेटिक) 2,05,800 टन प्रतिवर्ष, फेरो एलायज 9 एम.व्ही.ए. गुणा 3, (सिलिको मैग्नीज–45,000 टन प्रतिवर्ष, फेरो मैग्नीज–45,000 टन प्रतिवर्ष एवं फेरो सिलिकॉन–22,000 टन प्रतिवर्ष) एवं केप्टिव पॉवर 43 मेगावाट (0.5 मेगावाट से 18 मेगावाट द्वारा डब्ल्यू.एच.आर.बी. एवं 25 मेगावाट द्वारा ए.एफ.बी.सी. की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु **लोक सुनवाई दिनांक 01.02.2024, दिन–गुरूवार को प्रातः 11:00 बजे से स्थान–मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–सराईपाली, तहसील–तमनार, जिला–रायगढ़ (परियोजना स्थल)** में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रायगढ, की अध्यक्षता में लोकसुनवाई प्रातः 11:00 बजे प्रारंभ की गई। लोक सुनवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायगढ़ तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ उपस्थित थे। लोक सुनवाई में आसपास के ग्रामवासी तथा रायगढ़ के नागरिकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं ने भाग लिया। सर्वप्रथम पीठासीन अधिकारी द्वारा उपस्थित प्रभावित परिवारों, त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणजनों, एन.जी.ओ. के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि तथा इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट मिडिया के लोगों का स्वागत करते हुये जन सुनवाई के संबंध में आम जनता को संक्षिप्त में जानकारी देने हेतु क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी को निर्देशित किया। क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा ई.आई.ए. नोटिफिकेशन दिनांक 14.09.06 के प्रावधानो की जानकारी दी गयी, साथ ही कोविड 19 के संबंध में गृह मंत्रालय भारत सरकार के आदेश दिनांक 30.09.2020 के अनुसार सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने, हेण्डवाश अथवा सेनेटाईजर का उपयोग किये जाने, मास्क पहनने एवं थर्मल स्केनिंग किये जाने की जानकारी दी गई। पीठासीन अधिकारी द्वारा कंपनी के प्रोजेक्ट हेड

तथा पर्यावरण सलाहकार को प्रोजेक्ट की जानकारी, पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव, रोकथाम के उपाय तथा आवश्यक मुद्दे से आम जनता को विस्तार से अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया।

लोक सुनवाई में कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा परियोजना के प्रस्तुतिकरण से प्रारंभ हुई। सर्वप्रथम मैं सुधीर प्रसाद गुप्ता, महाप्रबंधक सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–सराईपाली, तहसील–आर.एम.एन. तमनार रायगढ़, 28.14 हेक्टेयर में एक स्टील इकाई का विस्तार किया जा रहा है जिसका जनसुनवाई आज दिनांक 01.02.2024 को सुबह 11:00 बजे से आरंभ की गई है। मैं तहे दिल से माननीय अपर कलेक्टर मैडम जी को, एस.डी.एम. सर जी को एवं माननीय क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मण्डल सर जी को एवं छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मण्डल के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण को, जन प्रतिनिधियो और ग्रामवासियों, मीडिया और पुलिस प्रशासन और उपस्थित नागरिकों को जनसुनवाई में स्वागत करता हूँ। हमारे पर्यावरण सलाहकार एनाकॉन लेबोरेटरी प्राईवेट लिमिटेड, नागपुर जो कि उनके ओर से श्री स्वरूप त्रिपाठी जी आगे विस्तार रूप से प्रोजेक्ट के बारे में आपको उल्लेख करेंगे। मैं स्वरूप त्रिपाठी, एनाकॉन लेबोरेटरी प्राईवेट लिमिटेड, नागपुर की ओर से माननीय अपर कलेक्टर जिलाधीश महोदया, माननीय क्षेत्रीय अधिकारी महोदय, पर्यावरण संरक्षण मण्डल के अधिकारीगण, कर्मचारीगण, जनप्रतिनिधि, ग्रामवासियों, मीडिया तथा पुलिस प्रशासन तथा उपस्थित नागरिक का इस जनसुनवाई में स्वागत करता हूँ। मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड द्वारा ग्राम–सराईपाली, तहसील–तमनार, जिला–रायगढ़ में 28.14 हेक्टेयर एक स्टील इकाई प्रस्तावित है। वर्तमान विस्तार में स्पंज ऑयरन उत्पादन के लिये मौजुदा संयंत्र क्षमता के विस्तार के लिये है, पैलेट संयंत्र एवं खनिज लाभकारी इकाई सी.सी.एम. के साथ इण्डक्शन फर्नेस, फेरो एलायज एवं रोलिंग मिल स्वचालित के साथ केप्टिव पॉवर प्लांट संयंत्र जिसमें वैस्ट हीट रिकव्हरी बॉयलर शामिल है। कुल परियोजना के क्षेत्र 28.14 हेक्टेयर में है। प्रस्तावित परियोजना इण्डक्शन फर्नेस, स्पंज ऑयरन उत्पादन क्षमता 29700 से 2,11,200 टी.पी.ए. और नई सुविधा पैलेट प्लांट 0.6 एम.टी.पी.ए. को जोड़ने के साथ प्रस्तावित सी.सी.एम. 2,10,000 टी.पी.ए., हॉट चार्जिंग के साथ इण्डक्शन फर्नेस, रोलिंग मिल स्वचालित 2,5,800 टी.पी.ए., फेरो एलायज 9 एम.व्ही.ए. गुणा 3, सिलिको मैग्नीज 45,000 टी.पी.ए., फेरो मैग्नीज 45,000 टी.पी.ए. और फेरो सिलिकॉन 22,000 टी.पी.ए. और केप्टिव पॉवर प्लांट 43 मेगावाट, 0.5 मेगावाट से 18 मेगावाट, डब्ल्यू.एच.आर.बी. 25 मेगावाट, ए.एफ.बी.सी. क्षमता के संयंत्र में स्थापना हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली को आवेदन किया है। पूर्व पर्यावरण समिति के लिये ऑनलाईन आवेदन फार्म फार्म–1 प्रस्तावित विस्तार परियोजना के लिये प्रस्ताव संख्या आई.ए.सी. जी.आई.एन.डी.248137/2021 दिनांक 29.12.2021 के माध्यम से ई.सी. प्रस्तुत किया गया था। 11 से 12 जनवरी 22 को आयोजित पुर्नगठित ई.ए.सी. उद्योग 1 में 51 बैठक में प्रस्ताव का विचार किया गया। समिति ने ई.आई.ए. की तैयारी के लिये प्रस्तावित विस्तार परियोजना फार्म आई.ए.जे.110115412021 दिनांक 27 फरवरी 2022 के लिये टी.ओ.आर. प्रदान की है। टी.ओ.आर. के तारतम्य में एनाकॉन लेबोरेटरी प्राईवेट लिमिटेड, नागपुर ने 03

माह 1 दिसम्बर 2021 से 28 फरवरी 2022 के बेसलाईन डाटा संकलन का ई.आई.ए. रिपोर्ट बनाई जिसके लिये आज जनसुनवाई रखी गई है। प्रस्तावित परियोजना की लागत 375 करोड़ अनुमानित है। परियोजना में जल की आवश्यकता 5150 किलोलीटर प्रतिदिन होगी जिसके लिये राबो बांध और एकत्रित वर्षा जल रेन वाटर हार्वेस्टिंग से किया जायेगा। भू–जल का उपयोग प्रस्तावित नहीं है। 54 मेगावाट विद्युत की आवश्यकता अनुमानित है जिसमें से 43 मेगावाट सी.पी.पी. केप्टिव पॉवर प्लांट से पूरी की जायेगी, शेष 9 मेगावाट सी.एस.पी.डी.सी.एल. नेटवर्क से प्राप्त की जायेगी। अतिरिक्त 3000 के.व्ही.ए. का इमरजेंसी डी.जी. सेट भी प्रस्तावित है। प्रस्तावित परियोजना के लागत के लिये पूंजीगत लागत 42.25 करोड़ रूपये सी.ई.आर. पॉलिसी के तहत है। कार्पोरेट इनवायरमेंट रिस्पांसिबिलिटी जिससे प्रस्तावित इकाई के स्थापना एवं संचालन से कृषि कार्य पर किसी भी प्रकार का दुष्प्रभाव नहीं होगा। प्रस्तावित परियोजना का कुल प्रत्यक्ष रोजगार 1020 व्यक्ति जिसमें 15 + 40 प्रस्तावित लोग प्रशासनिक कर्मचारी के रूप में और 970 कर्मचारी होंगे जिसमें प्राथमिकता स्थानीय लोगो को रोजगार दिया जायेगा। प्रस्तावित परियोजना का कुल भुमि का लगभग 33.79 प्रतिशत 9.510 हेक्टेयर ग्रीन बेल्ट के रूप में विकसित किया जायेगा जिसमें 2500 पेड़ प्रति हेक्टेयर के अनुसार 23775 नग वृक्षारोपण किया जायेगा इसके अतिरिक्त परियोजना के बाहर भी वृक्षारोपण किया जायेगा जिसमें नीम, अमलतास, शीशम, बेल, जामुन और करंज आदि स्थानीय प्रजाति के वृक्ष शामिल होंगे। एनाकॉन लेबोरेटरी ने परियोजना के 10 किलोमीटर क्षेत्र में जल, वायु, ध्वनि, जीव–जन्तु, वनस्पति तथा पशु–पक्षीयों का अध्ययन किया है साथ ही आस–पास के पर्यावरण संवेदनशील संचालनो का अर्थात जल इकाईयों, उद्योग, स्कूलो, स्वास्थ्य केन्द्र का भी अध्ययन किया है। परियोजना स्थल पर प्रमुख वायु गुणवत्ता पूर्वोत्तर दूसरी उत्तर पूर्ण पाई गई है। 8 विभिन्न स्थानों में वायु गुणवत्ता का जॉंच की गई है जिसमें नमुने केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्धारित मानको के अनुरूप पाये गये है। इस प्रकार ध्वनि का 8 स्थानों पर, 5 स्थानों पर जल की जॉच की गई है जो सी.पी.सी.बी. नाम्स के अंदर है। बेक्ट्रोलाजीकल में स्थानीय जल दूषित थे और घरेलू उद्देश्य के लिये उपयोग करने वाले कीटाणुनाशक उपचार के बाद जल उपचार की आवश्यकता है, जबकि भू–जल के नमुनों पर बेक्ट्रोलाजीकल के रूप में दूषित नहीं थे। 10 किलोमीटर के दायरे में भी अध्ययन किया गया है जिसमें पाया गया है कि 42.73 प्रतिशत भूमि कृषि भूमि है साथ ही अध्ययन क्षेत्र में सामाजिक–आर्थिक पर्यावरण का भी अध्ययन किया गया है। परियोजना एक शुन्य निस्सारण परियोजना होगी तदैव आस–पास के जल पर्यावरण का प्रभावित होना संभावित नहीं है। परियोजना में दूषित जल के उपचार हेतु ई.टी.पी. और एस.टी.पी. का निर्माण किया जायेगा तथा उपचारित कर ग्रीन बेल्ट में शामिल होंगे और डस्ट स्प्रिंकलर किये जायेंगे। परियोजना में वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु अत्याधुनिक प्रदूषण नियंत्रण उपकरण का स्थापना किया जायेगा जिसमें ई.एस.पी. बैग, फिल्टर, वेट स्क्रबर तथा उचित ऊंचाई की चिमनी का प्रावधान किया गया है। धुलिकरण उत्सर्जन 30 मिलीग्राम के अंदर किया जायेगा तदैव आस–पास के परियोजना में वायु में महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं होगा। परियोजना से निकलने वाले वेस्ट

का भी उचित निराकरण किया जायेगा, अधिक से अधिक उपयोग किया जायेगा। परियोजना हेतु सी.ई.आर. अंतर्गत वायु का पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की आदेश अनुसार जनसमुदाय का जनसुनवाई के दौरान अपेक्षा अनुसार किया जायेगा तदैव आप सभी का सुझाव आमंत्रित है। इसके अतिरिक्त कंपनी सी.एस. आर. के दायित्व का भी पालन किया जायेगा। धन्यवाद!

तदोपरांत पीठासीन अधिकारी द्वारा परियोजना से प्रभावित ग्रामीणजनों/परिवार, त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों, जन प्रतिनिधियों, एन.जी.ओ. के पदाधिकारियों, समुदायिक संस्थानों, पत्रकारगणों तथा जन सामान्य से अनुरोध किया कि वे परियोजना के पर्यावरणीय प्रभाव, जनहित से संबंधित मुद्दों पर अपना सुझाव, विचार, आपत्तियां अन्य कोई तथ्य लिखित या मौखिक में प्रस्तुत करना चाहते है तो सादर आमंत्रित है। यहां सम्पूर्ण कार्यवाही की विडियोग्राफी कराई जा रही है।

आपके द्वारा रखे गये तथ्यों, वक्तव्यों/बातों के अभिलेखन की कार्यवाही की जायेगी तथा आपसे प्राप्त सुझाव, आपत्ति तथा ज्वलंत मुद्दों पर प्रोजेक्ट हेड तथा पर्यावरण सलाहकार द्वारा बिन्दुवार तथ्यात्मक स्पष्टीकरण भी दिया जायेगा। सम्पूर्ण प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बरती जायेगी, पुनः अनुरोध किया कि आप जो भी विचार, सुझाव, आपत्ति रखे संक्षिप्त, सारगर्भित तथा तथ्यात्मक रखें ताकि सभी को सुनवाई का पर्याप्त अवसर मिले तथा शांति व्यवस्था बनाये रखने का अनुरोध किया गया।

इसके उपरांत उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणी आमंत्रित की गयी, जो निम्नानुसार है –

सर्व श्रीमती/सुश्री/श्री –

1. सुरेन्द्र कुमार भोय, सराईपाली – हमारे यहा कंपनी का विस्तार होने जा रहा है। यहा हमारे पर्यावरण अधिकारी, एस.डी.एम., मिडिया के लोग, सभी जनसमुदाय का पदार्पण हुआ है मैं सभी का स्वागत करता हूँ। हम सबसे पहले भगवान का पूजा करते है और कंपनी हमारा भगवान है। यहां जितने भी प्लांट से आये है मैं उनको अवगत कराना चाहूंगा कि यहा 10–15 प्लांट है। सबसे पहले यहा शिक्षा, स्वास्थ्य होना चालिये सी.एस.आर. मद से यहा काम होना चाहिये। हम इस प्लांट को बसाने में हमारा बहुत भूमिका रहा है। हमने जमीन खरीद कर कंपनी को दिया और प्लांट बसाया है। यह कंपनी 2019 से सुनिल इस्पात के नाम से संचालित है। यहा जितने भी प्रभावित हो रहे है फ्लाई एश से उसका निपटान करे। यहां पानी का बस्ती में बहुत कार्य है जो अपूर्ण है उसको किया जाये। यहां का रोड चक्का जाम होते रहता है इसके लिये कार्यवाही किया जाना चाहिये जिससे यहां की जनता प्रभावित ना हो। मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

2. संदीप कुमार, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। उद्योग प्रबंधन से निवेदन करता हूँ कि यहां आस–पास के लोगों को योग्यता अनुसार रोजगार दे और यहां मूलभूत सुविधायें दें।
3. शिवशरण, सराईपाली – सही ढंग से काम चलना चाहिये। मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
4. लक्ष्मीन साहू, – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
5. रहसराम, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
6. तोषराम गुप्ता – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
7. नाजिब – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
8. श्रुति लाल – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
9. जयपाल, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
10. सुमित, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
11. कमलेश – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
12. विजय, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
13. सुंदर लाल यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
14. फुलेश्वर राठिया – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
15. अक्षय साहू– मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
16. शिवलाल, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
17. सुरेश – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
18. बसंत, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
19. रामप्रसाद, सराईपाली – हमारे गांव के लोगो को रोजगार मिलना चाहिये मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
20. गजानंद, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
21. चंद्रहास – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
22. प्रेमसागर – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
23. गुलाब भगत – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
24. किर्तन, सराईपाली – काम मिलना चाहिये। मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
25. फुलसिंह , सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
26. अनिल, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

27. रमेश राठिया – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
28. माखन लाल – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
29. रामकुमार सिदार – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
30. पुनिराम यादव, सराईपाली – हमारे सराईपाली का तालाब सुख गया है उसके लिये तालाब में बोर खुदवा दे। मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
31. सजल लाल राठिया, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
32. संजय गुप्ता, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
33. दुश्यंत – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
34. मांझी सिदार, बरपाली – नौकरी नहीं मिल रहा है। मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
35. किरतन लाल, सराईपाली – इंदिरा आवास नहीं मिला है। मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
36. मंगलू – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
37. ध्वजा राम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
38. राहूल कुमार, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
39. गदगांव से हूँ मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
40. गोपी लाल यादव, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
41. जयपाल, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
42. शिवप्रसाद, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
43. सुमित्रा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
44. मोहरमती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
45. गीता यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
46. ललिता यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
47. कमला यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
48. श्यामा कुमार – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
49. त्रिनाथ गुप्ता – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
50. दयाराम, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
51. पंचराम, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
52. उद्धम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
53. मनोज – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

54. लीलावती राठिया, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
55. सरस्वती, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
56. संतोषी, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
57. रूपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
58. चंद्रावती, – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
59. उमा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
60. गुरबारी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
61. फुलोबाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
62. मनकुंवर – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
63. कमला, हर्राडीह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
64. लता – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
65. रामवती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
66. नानदाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
67. सुखमती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
68. श्यामबाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
69. सुखवारो – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
70. लक्ष्मीन – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
71. मोना चौहान – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
72. सत्यभामा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
73. रूपकुमारी, हर्राडीह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
74. बरातो बाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
75. पदमा बाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
76. सुमित्रा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
77. गोमती, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
78. अंजु, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
79. रश्मि – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
80. नंदिनी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
81. गदगम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
82. सुनिता, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

Asah

83. मेनिका – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
84. मंगली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
85. प्रमिला, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
86. निमा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
87. पद्मिनी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
88. तिजमती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
89. पुनीमती, हर्राडीह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
90. कमला बाई, हर्राडीह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
91. पूजा, हर्राडीह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
92. प्रेमकुमारी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
93. अंजु – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
94. रूपांजली, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
95. फुलबाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
96. कुमारी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
97. कुमारी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
98. सीमा, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
99. हारा बाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
100. बसंती, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
101. कांगी चौहान – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
102. रजनी चौहान, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
103. रूकमणी चौहान – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
104. कन्हैयामती, हर्राडीह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
105. राजकुमारी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
106. टीकेश्वरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
107. जगमती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
108. बराबाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
109. धनकुंवर – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
110. गंगा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
111. प्रेमशिला – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

112. रजनी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का रामर्थन है।
113. दुखी यादव, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
114. शांति, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
115. हेमकुमारी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
116. मोहरमती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
117. दुजमती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
118. मोनिका यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
119. ताराचंद – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
120. राजू, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
121. धनीराम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
122. राठिया – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
123. मोहितराम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
124. हेमलाल, हर्राडीह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
125. लालचंद, हर्राडीह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
126. जयसिंह, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
127. गंगाराम, हर्राडीह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
128. अजय राठिया, हर्राडीह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
129. गदगांव से हू – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
130. दिलीप गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
131. रवी, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
132. देशी राम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
133. राजू – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
134. गिरधर राठिया, हर्राडीह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
135. सुबेराम, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
136. तराईमाल का हूँ मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
137. रोहित कुमार, हर्राडीह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
138. गोपीचंद – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
139. उद्धम सिंह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
140. पितांबर राठिया – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

141. मुकेश राठिया – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
142. गजेन्द्र, हर्राडीह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
143. कुशल राम, हर्राडीह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
144. अनिल – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
145. योगेन्द्र, हर्राडीह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
146. ओमप्रकाश – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
147. धनेश्वर यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
148. बृजमोहन – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
149. बालकृष्ण – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
150. सुमन – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
151. नर्मदा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
152. जितेन्द्र – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
153. विपूल – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
154. संतोष राठिया – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
155. कुमार साहू – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
156. विजय – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
157. लक्षराम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
158. भुवनेश्वर – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
159. जीवन – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
160. देवधर – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
161. कार्तिकराम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
162. सहनी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
163. रमेश – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
164. दिनेश – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
165. मुकुंद – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
166. दयाराम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
167. हेमेंत – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
168. मनोज, डारआमा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
169. चंद्रहास – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

170. विनोद – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

171. छबीलाल – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

172. देवेन्द्र – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

173. धुरमचंद – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

174. बोधराम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

175. श्रद्धाराम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

176. कन्हैया लाल – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

177. कृष्णकुमार, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

178. जगरनाथ – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

179. अमरकांत, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

180. अनिति – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

181. जयंती, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

182. चंद्रिका – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

183. गौरी श्रीवास – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

184. कला यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

185. मोनी बाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

186. बिमला – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

187. किरण – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

188. मंगल, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

189. श्रीमती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

190. तेजमती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

191. मोहरमती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

192. कलावती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

193. कमला – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

194. विमला – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

195. कलावती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

196. गंगा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

197. रमशिला – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

198. रामप्यारी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

199. तीजमती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

200. राजकुमार – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

201. रतना – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

202. ईतवारो – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

203. लक्ष्मीन – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

204. उमा बाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

205. बद्रीका – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

206. दुजमती, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

207. बुधियारिन – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

208. हुकुम प्रसाद – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

209. शेशचरण – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

210. तिलक पटेल – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

211. दुखीराम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

212. सुमिरन – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

213. रघुवर – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

214. भोलेनाथ यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

215. धनवार, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

216. फुलचंद – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

217. सूरज यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

218. डेड़सिंह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

219. श्यामलाल धनवार – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

220. फुलकुमार – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

221. भोलेराम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

222. गीरधर – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

223. फलेश्वर – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

224. श्यामलाल – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

225. ईतवार सिंह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

226. हेतराम, डारआमा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

227. समारूराम, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है लेकिन नल लगा दे।

228. नंदलाल यादव, गदगांव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

229. चंद्रकुमार पटेल – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

230. भगवती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

231. गदगांव सरपंच बोल रहा हूँ, क्षेत्र के ग्रामीण को रोजगार देने के लिये सहयोग कर रहे है, गरीब लोगो का रोजगार चले इसलिये मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

232. विशाखा, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

233. गीता सोनी, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

234. कमला सोनी, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

235. पारो अघरिया – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

236. अंजली यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

237. सति अघरिया – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

238. राधिका – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

239. उर्मिला – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

240. लजकुंवर – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

241. सरिता, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

242. सुमित्रा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

243. सुमित्रा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

244. जमुना – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

245. लक्ष्मी यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

246. पंचकुंवर, डारआमा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

247. बिमला यादव, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

248. रोहिणी साहू – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

249. रामप्यारी, सराईपाली – बोर चाहिये। मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

250. यशोदा किसान, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

251. सावित्री यादव, सराईपाली – तालाब के लिये बोर चाहिये।

252. मुन्नी बाई, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

253. दुरपती, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

254. लक्ष्मीन, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

255. सुखमेत – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

256. टिकेश्वरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
257. मंगली, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
258. केसीबाई, डारआमा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
259. सावित्री, डारआमा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
260. अमशो बाई, डारआमा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
261. मालिकराम, डारआमा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
262. मुखधर – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
263. नीरज – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
264. जगतराम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
265. बालकृष्ण पटेल, डारआमा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
266. दशरथ साव, डारआमा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
267. संजय धनवार, डारआमा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
268. गजेन्द्र यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
269. गौतम चौहान, डारआमा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
270. जितेन्द्र नायक – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
271. पंचराम चौहान, डारआमा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
272. पुनमचंद धनवार – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
273. कामता प्रसाद – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
274. मयाराम सिदार – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
275. छबरा लाल यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
276. हरिमती चौहान, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
277. मुलचंद – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
278. अभयराम चौहान, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
279. रामविलाश चौहान, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
280. समारू मांझी, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
281. सुखीराम, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
282. रामसिंह राठिया, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
283. प्रवीण – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
284. जयलाल चौहान – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

285. प्रदीप यादव, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

286. रतन मांझी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

287. छाया चौहान, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

288. नुआ बाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

289. सुखमेत, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

290. मोती लाल, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

291. परमेश्वर, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

292. सुखलाल, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

293. गोकुल प्रसाद, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

294. प्रेमसिंह मांझी, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

295. इतवारी राम मांझी, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

296. छत्तर सिंह, – मेरे सिर को मार दिया कुछ नहीं मिला, मेरे को तकलीफ हो रहा है। 2006 में काम किया था।

297. राजाराम यादव, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

298. भगतराम राठिया – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

299. सेवकुमार – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

300. रामभरोश यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

301. शिवलाल चौहान – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

302. उचितराम राठिया, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

303. कांताप्रसाद, राबो – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

304. खिराती यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

305. प्रेमलाल यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

306. रामकुमार, राबो – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

307. चरणदास महंत – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

308. सिंघल गुप्ता – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

309. अशोक कुमार, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

310. रमेश सिदार – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

311. वृंदा राठिया, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

312. उत्तरा यादव, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

313. अश्मिन मांझी, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

314. जयंती राठिया, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

315. छत्तर कुमारी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

316. सुखमती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

317. सत्यभामा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

318. बसंती राठिया – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

319. रजनी यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

320. उषा चौहान – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

321. उमा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

322. अंबिका – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

323. चंपा राठिया, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

324. हेमकुंवर, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

325. नर्मदा, जीवरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

326. सुखमती राठिया – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

327. रंभा बाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

328. अशमति – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

329. लक्ष्मी बाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

330. हेमकुमारी राठिया, आमापाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

331. सकुंतला राठिया – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

332. सविता राथ, जन चेतना रायगढ़ – आज की इस जनसुनवाई में मैं अपनी बात रखने आई हूँ। सम्मानीय पीठासीन अधिकारी महोदया, जिला पर्यावरण अधिकारी, इस ई.आई.ए. को बनाने वाले कंसलटेंसी, कंपनी प्रबंधक, यहा स्थानीय जो जिला प्रशासन और यहा उपस्थित भाई–बहन उन सब का अभिवादन। इस जनसुनवाई के जो तकनिकी रूप से मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का जो आज ग्राम–सराईपाली में जनसुनवाई हो रही है। इस जनसुनवाई को सामाजिक प्रभाव किस तरीके से पड़ेगा और पर्यावरणीय क्या असर हो सकता है के तकनिकी रूप से और सामाजिक रूप से अपनी बात रखने आई हूँ। महोदया मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड की आज जो 01.02.2024 को जनसुनवाई हो रही है, इस जनसुनवाई को क्यो नहीं आज कराना चाहिये, इसके पीछे क्या सामाजिक प्रभाव हो सकते है, क्या महिलाओं पर हो सकता है, क्या युवाओं पर असर हो सकता है, क्या आदिवासी क्षेत्र में हो सकता है, उस आधार पर आज की जनसुनवाई क्यों अवैधानिक है उस विषय पर मैं आपसे बात करना चाहूंगी, यहा

अपनी बात रखना चाहूंगी। मेरा व्यक्तिगत ना तो कंपनी से या संस्थान से नहीं है जो तकनिकी रूप है मैं वहीं बात रख रही हूँ। महोदया ये जो आज की जनसुनवाई है, प्रस्तावित उत्पादन क्षमता को जो ये विस्तार स्पंज ऑयरन प्लांट 29,700 टी.पी.ए. से जो ये 21,102 टी.पी.ए. एवं नई सुविधा पैलेट प्लांट 0.6 की जो ये एम.टी.पी.ए. और लौह अयस्क की आज जो जुड़ने की प्रस्तावित जनसुनवाई हो रही है हम इसका सीधे तौर पर विरोध करते है और क्यों विरोध करते है इसका प्रमुख बिन्दु ये है कि ये जो मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड सराईपाली में पहले से ही छोटे–बड़े 73 स्पंज ऑयरन और पॉवर प्लांट स्थापित है जिसके कारण व्यापक पैमाने पर प्रदूषण की मात्रा जिसमें जल की हो, वायु की हो, मिट्टी प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण से जनजीवन व्यापक पैमाने पर प्रभावित है। इसमें खास कर हम देखे तो इसमें जल, जंगल, जमीन के अलावा यहा का जो समाज है वो समाज के ऊपर शारिरीक, मानसिक रूप से गर्भ से ही बच्चों के ऊपर एक मानसिक दबाव पड़ना शुरू हो गया है। अतः एसे जनसुनवाईयों को नहीं करना चाहिये और इसका सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेट की आज जो जनसुनवाई हो रही है ये आवेदन के 14 सितम्बर 2006 के 45 दिवस के अंदर जो जनसुनवाई का आयोजन राज्य सरकार को कराना चाहिये, आवेदन के ये 45 दिवस से ऊपर का जनसुनवाई आयोजित है जिसके कारण इस जनसुनवाई को कराने का आपका राज्य सरकार को अधिकार है ही नहीं। मैं आपको साथ में माननीय हाईकोर्ट का डिसीजन जज साहब का इसमें सबमिट की हुई हूँ। इसके अलावा ये जो जनसुनवाई हो रही है 365 दिन से ज्यादा हो चुका है इसके आवेदन का तो ऐसे जनसुनवाईयां आप जब कराते है तो वो केन्द्र सरकार के हाथ का मामला है जिसमें एक स्वतंत्र कमेटी गठित होगी और वो पुरी जॉच के बाद वो जनसुनवाई करायेगी ना कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन करायेगी इसलिये भी ये जनसुनवाई अपने आप में अवैधानिक है और इस जनसुनवाई को तत्काल निरस्त करके आज की जनसुनवाई को आप खतम करें ये आपके अधिकार क्षेत्र का है ही नहीं तो आप इतने बड़े जिला प्रशासन को हलाकान और पुरे एरिया को कराने का कोई औचित्य ही नहीं रह जाता है। वही पर मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड सराईपाली में विस्तार होने जा रहा है, इस ग्रामपंचायत में पहले से ही आपको बता दूं कि सिलिकोसिस जैसी गंभीर बीमारी पिछले 10 सालो से हम लगातार यहा पर काम कर रहे है और उसमें कई सारी खास कर आदिवासी महिलाओं की मौते हुई है और यही वो गांव है जहा से पुरे राज्य में सिलिकोसिस बीमारी के लिये कानुन बना यही वो उदाहरण है तो इस आस–पास में वो सिलिकोसिस क्यों हुआ? इसलिये हुआ क्योंकि उनके फेफड़ो पे सिलका जो है सिलका चला गया और आप यकिन नहीं करेंगे एक जयलाल राठिया था 13 साल का बच्चा जो अपनी मॉ को टीफिन देने उद्योग के अंदर आता था उस बच्चे की भी मौत हो गई तो ये किसी भी हालत में ऐसे क्षेत्र में नये किसी भी परियोजना को विस्तार देना या स्थापित करना किसी भी तरीके से अन्य नई बीमारियों को जब हम कोविड जैसे महामारी से गुजरे है तो खास कर सांसो से जो जुड़ने वाली बीमारियां है उसके रोकथाम के लिये एक बड़ा घटक के रूप में होगा की आज आप इस जनसुनवाई को निरस्त करे और अन्य कोई भी

उद्योग को यहा और लगाने की गुंजाईश नहीं है, ना ही किसी किसम के विस्तार की गुंजाईश है खास कर स्वास्थ्य जैसे मुद्दो पर हम देखे। हम आपको अभी बता दे कि इसी सुनील इस्पात की और एक यूनिट है उसकी मैने हाथ में ई.आई.ए. है जो ई.आई.ए. बनी है मैडम आप गौर करेंगे कि 01 अक्टूबर 2020 से 31 दिसम्बर सुनील इस्पात पॉवर लिमिटेड का पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन का एक प्रारूप है जिसकी जनसुनवाई यहां हो चुकी है और ये 5 किलोमीटर से भी कम की दूरी में ये यूनिट सुनील इस्पात का है और उनके जो अगस्त 2021 को इनकी जो मानीटरिंग अवधि इन्होने 01 अक्टूबर से 31 दिसम्बर किया था उसमें पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला मेसर्स ग्लोबल इन्वयरो लैब हैदराबाद के द्वारा ये ई.आई.ए. वृहद रूप में लिखा गया वो तमाम अध्ययन के साथ हम मानते है कि वो लिखे होंगे और उनके अगर आप जो ये हुआ है अगस्त 21 का है और आपको बता दूं यही मेसर्स ग्लोबल इन्वायरो लैब हैदराबाद के द्वारा आज की जनसुनवाई का जो इन्होने किया है उसको देखेंगे तो ये सितम्बर 2022 का अध्ययन है तो 21 और 22 का अंतर आप देखेंगे तो इसमें आपको बता दूं कि तापमान में भारी अंतर इनका 1 साल के अंदर खुद लिख कर दे रहे है तो फिर किसी नई और कितना प्वाईंट है ये भी आपको बता दूं। कि इस जो पुरी जलवायु परिवर्तन की जो प्रक्रिया है और इसमें जिस तरीके से इस क्षेत्र में तापमान बढ़ा है उस तापमान में दोनो में दोनो ई.आई.ए. एक ही संस्था के द्वारा अध्ययन करने के बाद लगभग 5 प्वाईंट 9 इनके यहा तापमान बढ़ा है और ऐसी ही हम उद्योगों का विस्तार करते चले जाये तो मुझे नहीं लगता कि हम यहा पर सांस लेने की स्थिति में रहेंगे। आगे आपको बता दूं कि इसी तरीके से फौना फ्लोरा के ऊपर इनका किसी किसम की अध्ययन दोनो ई.आई.ए. में नहीं रखा गया है। वही पर दोनो ई.आई.ए. में ये रखा गया है कि यहा पर किसी किसम की पर्यावरणीय प्रदूषण नहीं है तो जब आपके दोनो ई.आई.ए. आपस में ये बता रहा है कि 1 साल पहले 2021 में किया गया अध्ययन से आपका इतना ज्यादा तापमान बढ़ गया है ये आज का 2022 का अध्ययन है तो उस स्थिति में आप बताईये कि किसी नई परियोजना को कैसे हम कैसे विस्तार दे। वही पर फौना फ्लोरा और बहुत सारे इसमें फर्जी डेटा है, ये ई.आई.ए. ही अपने आप में फर्जी है तो जिसके कारण ही जनसुनवाई आयोजित है, ई.आई.ए. पर बात रखने की बात है वहीं जब गलत है तो किसी और किस्म की परियोजना को झुठे ई.आई.ए. के माध्यम से कैसे हम जनसुनवाई को सम्पन्न कराने की सोच भी सकते है। इसलिये आपसे विशेष निवेदन है पहले ई.आई.ए. को बारिकी से स्वतंत्र कमेटी की बैठक हो, ई.आई.ए. की बारिकी से जॉच हो ऐसे कंपनी मेसर्स ग्लोबल इन्वायरो लैब हैदराबाद ने ये जो रिसर्च किया है उसकी सच्चाई की जॉच हो और उस सच्चाई की जॉच के बाद क्षेत्र के स्थानीय महिला, पुरूष, बच्चे, यहा के जो प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र है, यहा का जो उप स्वास्थ्य केन्द्र है, यहा के जो अलग–अलग संस्थाये जो इस क्षेत्र में लगातार पिछले 25 साल, 30 साल से है अपना रिसर्च और अध्ययन कर रहे है और यहा के लोगो के इंटरव्यू ये तमाम चीजो को बिना जांचे अगर ये आप जनसुनवाई सम्पन्न करवाते है, लोगो से बिना बात किये कराते है तो यहा के केवल मानवीय मुद्दो की बात नहीं है यहा के पुरे

फौना फ्लोरा, पुरी पर्यावरणीय संतुलन को खराब करना, जैव विविधता को बेहद नुकसान करना, क्योंकि आप जहां बैठी है जस्ट इसके पीछे 3 किलोमीटर में पहाड़ के उस पास आपको रामझरना जैसे एक महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल दर्ज है। इसी के साथ आपको बता दूं मैडम कि यहा पर सराईपाली क्षेत्र में इतना व्यापक पैमाने पर प्रदूषण और आपको 5 किलोमीटर के भी रेडियस में जायेंगे तो 5 कंपनियां कोयले और ऑयरन से जुड़े हुये आपको मिलेंगे। वही पर आपको बता दूं कि यहा पर सिंघनपुर गुफा जैसे पुरातत्व स्थल अगर आप जी.पी.एस. में मैपिंग करेंगे और जो नक्शा है उसमें करेंगे तो सिंघनपुर गुफा का जो भित्त चित्र है वो सीधा नुकसान होगा, रामझरना को जो जल स्त्रोत है वो सीधे प्रभावित होगा, वही पर टीपाखोल जैसे झील जो प्राकृतिक झील है उसको सीधा नुकसान पहुंचायेगा और एक महत्वपूर्ण चीज है कि आप जहां बैठे है आपके पीछे 1 किलोमीटर में ग्राम–भुईकुर्री है जहां पर आपको सामुदायिक वन अधिकार पट्टा पिछली सरकार ने दिया है, आपकी सरकार ने दिया है और उसका मैनेजमेंट, कंज़रवेशन का काम गांव के लोग कर रहे है और उस जंगल में आपको बता दूं कि कम से कम 100 से अधिक ऊपर के वाईल्ड मशरूम पाये जा रहे है जो हमारी अध्ययन रिपोर्ट में आया हुआ है और उसके स्पोर को सीधी–सीधे नुकसान हो रहे है और वाइल्ड मशरूम का जो दवाओं के रूप में, खाने के रूप में, महिलाओं की आर्थिक सफलता का जो जंगली मशरूम उठा कर करने में और उसको अन्य–अन्य मशरूमों को जो प्रजातियां है आपको मालुम होगा कि यहा अगर साईंस के विद्यार्थी होंगे तो मालुम होगा कि वाईल्ड मशरूम का स्पोर ही है जिसके कारण सारे फौना फ्लोरा है और सारे जंगल है तो जब उन मशरूमों में सीधे–सीधे असर हो रहे है और वो रिपोर्ट हम जिला कलेक्टर रायगढ़ को सौप चुके है, अध्ययन की जो रिपोर्ट आई है तो उस पुरे क्षेत्र में सीधे–सीधे हम जंगल को खतम करेंगे अगर हम ऐसी जनसुनवाईयां कराते रहे। वही पर एक अतिमहत्वपूर्ण बात यह है कि हम जहां खड़े है ये पुरे तरीके से ये अनुसुची पेशा 5 क्षेत्र है जहां ग्रामसभा की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है, ऐसी जब जनसुनवाईयां होती है और पेशा कानुन का सीधा उल्लंघन है जब उनके बिना अनुमति के किसी किसम के अध्ययन हो, किसी किसम के बड़े परियोजना की जनसुनवाई हो और उनके क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से कोई भी ऐसे बड़े आयोजन नहीं करा सकता है। ऐसे कितने 10 किलोमीटर के रेडियस में पेशा कानुन के तहत आपने ग्रामसभा से अनुमति लिया जहां 50 प्रतिशत महिलाओं ने अपनी भूमिका, भागीदारी और निर्णय आपको बताया है ऐसे पेपर अगर आपके पास नहीं है तो ऐसी जनसुनवाईयों का कोई औचित्य नहीं है। वही पर आपको बता दूं कि उक्त कंपनी द्वारा पहले भी भू–जल पानी की जो मात्रा है उसमें उन्होने खतरनाक तरीके से भू–जल दोहन किया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है, उनका आदेश कहता है कि भू–जल का दोहन पेयजल और कृषि कार्य में होना चाहिये ना कि किसी उद्योग को चलाने के लिये करना चाहिये। यहा का वाटर लेबल जो नीचे गया है वो 7 गुना नीचे चला गया है तो जब ऊपर की पानी ही नही रहेंगी तो आप कहा से ये उद्योग चला लेंगे, कहां से यहा के लोगो का विकास कर लेंगे। मैडम आपको बता दूं कि इस मापदण्ड के अनुसार जब इनके पास पानी ही नहीं है उद्योग चलाने के लिये तो किस आधार पर ऐसे उद्योगो को

अनुमति विस्तार का और दे। इनके पास कहीं पानी जैसे नहीं है, यही पर इनके पास अन्य छोटी–छोटी जो सुविधाये है चाहे हरित पट्टी बनाने के जो वादे थे 1 साल पहले जो जनसुनवाई हुई थी उसमें कही भी उनका कोई भी 1 भी वादा जो पुरा नहीं हुआ है। आस–पास के खेतो, आस–पास के तालाबो में अभी परसो यहा तालाब है चिराईपानी के आस–पास सारी मछलियां खतम हो गई प्रदूषण के कारण, 6–7 किस्म की जो यहां की पारंपरिक मछलिया थी जो प्राकृतिक मछलियां थी और जो जल जीव थे सीधा असर यहां पर प्रदूषण से हुआ और उसका बकायदा रिपोर्ट हम अपने पास रखे हुये है, न्यूज पेपर में भी निकली हुई है कि यहां का हवा, पानी सारी चीज आलरेडी यहां पर प्रदूषित हो चुके है, और अगर करते है तो यहां पर कोई भी इंसान के रहने लायक नहीं रहेगा, खास करके आदिवासी समुदाय को सीधा–सीधा विस्थापन को झेलना पड़ेगा और ये गांव भी नहीं बचेगी और आपको बता दूं कि इनके जो भी अध्ययन हुये है इनमें पी.एम.2.5 और पी.एम.10 की मात्रा पर्यावरणीय मापदण्डो की कई गुना अत्यधिक है और ये एक ऐसा जिला बन गया है रायगढ़ जिला जहां इतना ज्यादा वायु प्रदूषण हो गया है कि अब आपको भी खुद सांस लेना मुश्किल है तो उस आधार पर और क्यों उस तरीके के जनसुनवाई कराना वो भी पेशा एक्ट एरिया में कराना और यहां के लोगो को व्यापक पैमाने पर प्रचार–प्रसार करके उस तरीके से नहीं बताया गया है तो आप बता दीजिये यहां 1000 की जनसंख्या है, 1000 में 2 ऐसे व्यक्ति निकल आये या 2 ऐसी महिला निकल आये जो बोले कि हां, हम इन्वायरमेंट इंपेक्ट असिसमेंट रिपोर्ट हमारे पास आई और हमने उसको पढ़ा, गांव में बैठक हुई, बकायदा कोई प्रशासनिक अधिकारी इसके बारिकियों को बताया हम उसके आधार पर निर्णय ले रहे है कि ये जनसुनवाई होनी चाहिये या नहीं होनी चाहिये, विस्तार होना चाहिये कि नहीं होना चाहिये, इस तरीके की कोई भी ऐसा रिकार्ड नहीं है, जब उनको सरकार ने बताया हो, कंपनी ने कोई ट्रेनिंग कराया हो, ई.आई.ए. के मामले में, एस.आई.ए. के मामले में तो जब हमारी पुख्ता तैयारी ही अधुरी है तो कंपनी को पुरा करने का क्या मतलब है तो इसीलिये ऐसे आधे–अधुरे अधकचरे ई.आई.ए. के अनुसार किसी जनसुनवाई को विस्तार दे–देना, अनुमति दे–देना ये बहुत घातक है और ऐसे घातक चिजो के बारीकी से अगर हमारे पास लेप नहीं है ऐसी कोई टेक्निशियन का कोई टीम नहीं है तो ऐसे जनसुनवाईयों को जो लोगो के बीच में व्यापक पैमाने पर प्रचार–प्रसार नहीं है, ना वो जानते है कि उनके साथ क्या होने वाला है, क्या हो रहा है और क्या हो चुका है ये तीनो सवालो की बात आ रही है तो फिर किसी भी किसम की जनसुनवाईयों को बिलकुल भी इन लीगल तरीके से ये जनसुनवाईयां हो रही है। यही पर आपको बता दूं कि ये जो पुरा क्षेत्र है हाथी प्रभावित क्षेत्र है, हाथियों के अन्य जंगली जीव जन्तुओं के और वो पलायन कर रहे है, यहा जो रहवास है अब वो रहवास में रह नहीं पा रहे है क्यों, उनके पानी पीने का, खाने का, चिडिया का, साप, बिच्छु अलग–अलग किसम के हमारे जैव विविधता को परिपूर्ण करते है वो सभी प्रभावित हो रहे है तो इसके बाद अगर कोई जनसुनवाई होती है तो ऐसे किसी भी किसम के अगर उद्योग है वो कोयले के जलने से फ्लाई ऐश निकलेगा, फ्लाई ऐश का निस्तारण नहीं है कही पर, पानी का निस्तारण नहीं है पानी खुद के पास नहीं

है और भू–जल से करेंगे, खेतो पर डालेंगे पानी, गंदे पानी अपना तो इनके पास कोई वाटर ट्रीटमेंट यूनिट भी नहीं है तो ऐसे क्यों जनसुनवाई को कराने की अनुमति देना, तत्काल इस जनसुनवाई को निरस्त करें। वही पर वन विभाग के द्वारा बार–बार बोला गया है कि अभी और किसी किसम की वन, पर्यावरण मंत्रालय के नियमों का सीधा–सीधा उल्लंघन नहीं होना चाहिये। यहा पर 1972 के वन्य जीव संरक्षण कानुन के तहत अभी और किसी किसम के जो भी जैव विविधता है उनके नुकसानों को देखते हुये हमें किसी किसम की जनसुनवाई या नई परियोजना को अनुमति नहीं देना चाहिये। वहीं पर क्षेत्र में कोयला खदान, पॉवर प्लांटों में स्थानीय उद्योगो के चलने ट्रकों से व्यापक पैमाने पर दुर्घटनाये हो रही है, क्यों कि हमारा इन्फ्रास्ट्रक्चर, वो बेहतर सड़क नहीं है कि हमारी ट्रके चले और अगर करते है तो सड़क दुर्घटना के बहुत बड़ा आंकड़े जो आलरेडी है हमारे रायगढ़ के अंदर अगर देखा जाये तो 30 दिन में 30 सड़क दुर्घटनाये हो रही है और व्यापक पैमाने पर 30 में से हमारे 15 की मौत हो रही है और 15 लोग आजीवन के लिये विकलांग हो रहे है तो हमारे पास उस तरह की सड़के नहीं है, उस तरीके का हमारे पास रेलमार्ग नहीं है तो इनके जो वाहन क्षमता विस्तार ही नहीं है तो ये वाहन चलायेंगे किसमें, किस जगह, पंचायत की सड़क में, पंचायत का पानी लेंगे, पेशा क्षेत्र के गांव को उजाड़ कर ये अपना विकास करेंगे, क्यों कि इनके सी.एस.आर. से किसी की स्वास्थ्य शिक्षा, रोजगार, तकनीकी शिक्षा इस किसी की तो कोई सुनील इस्पात की तरफ से कोई पहल आज तक देखी नहीं गई है तो इनका जो सी.एस.आर. भी है वो सीधे तौर पर समाज के लिये उन्नती के लिये भी नहीं है तो आप ये बताईये कि इनको किस आधार पर हम जनसुनवाई कराने दे और इनको खास करके इनके विकास की बात करके अब तक इस पुरे क्षेत्र को आर्थिक रूप से लुट के एक बड़ा बीमारी का हब बनाके दिया है, उसकी फिर क्यों विस्तार होना चाहिये ऐसे जनसुनवाई को तत्काल निरस्त करें। इस 10 किलोमीटर परीधि के क्षेत्र में प्राईमरी, हायरसेकेण्ड्री 40 से ज्यादा स्कूल और 60–70 आंगनबाड़ी केन्द्र है जिनके मध्यान्ह भोजन और टी.एच. आर. के खाना में यहा के फ्लाई ऐश पर्यावरणीय प्रदूषण सीधे मिल रहे है तो आप उन नवनिहालों को क्या स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, क्या आस–पास के सरकारी विभागों में वहां कार्यरत साथियों के ब्लड हो, यूरीन हो, आंखो का टेस्ट, स्वास्थ्य का, धड़कन का, ब्लडप्रेशर का कोई भी ऐसा कैम्प लगाके ऐसा जांच हुई है कि उनके स्वास्थ्य आज की तारीख में किस स्थिति में है, अगर उनका स्वास्थ्य अगर सही नहीं है, हमारे बच्चो के स्वास्थ्य सही नहीं है, हमारी गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य सही नहीं है, क्या हालात है तो बिना जांच करे, बिना स्वास्थ्य जांच करे हम किस आधार पर ये जनसुनवाई करवा रहे है वो हमारी सोच से परे है। वहीं पर 30 से ज्यादा छोटे–बड़े उद्योग है, उद्योग के अंदर कॉलेज है, कॉलेज में पढ़ने वाले हमारे युवा है उनके भी स्वास्थ्य का बिना जांच किये ये ई.आई.ए. रिपोर्ट बनी है। अभी मैं ई.आई.ए. पर नहीं आई हूँ मैं सामाजिक पढ़ रहीं हूँ, अभी मैं एस.आई.ए. बता रही हूँ, ई.आई.ए. तो अभी बचा है। इसके अलावा ये 5वीं अनुसूची क्षेत्र में ग्रामसभा के अनुमति के बगैर यहा पर आपको किसी भी किस्म की ऐसे आयोजन नहीं होना चाहिये था, आज हो रहा है तो यकिन मानिये ये क्षमा करने योग्य

नहीं है कि हम आदिवासी मुद्दो को और आदिवासी क्षेत्र के विशेष अधिकारों को उल्लंघन हम खुद गैर आदिवासी कर रहे है। माईक लगाना, पुरे प्रशासन के लोगो को यहा लाकर बैठा देना उनके पर्यावास का उल्लंघन है। ये बिलकुल नहीं होना चाहिये। इसके बाद आपको बता दूं कि राबो डेम, बिलासपुर डेम जिसका जल प्रदूषण के सबसे ज्यादा आंकड़े दिखा रहे है और उस 20 से अधिक गांव इस सराईपाली के 10 किलोमीटर के रेडियस में पुरी तरीके से स्कीन की बीमारी, कैंसर जैसे बड़े महामारी, दमा, सिलिकोसिस और अन्य–अन्य शायद जो मेडिकल से डॉक्टरेड होंगे उनको ज्यादा बारिकी से यहा टेस्ट कराया जाये तो केवल शारीरिक ही नहीं मानसिक विचलन कई आत्महत्या का यहा पर घटना घटी हुई है तो ऐसे स्थिति में और ज्यादा विचलन पैदा करने का कोई दुःख नहीं है। जिले में औद्योगिकीकरण के कारण अपराध के मामले मे भी यहा अगर आप देखे तो पूंजीपथरा थाने में सबसे ज्यादा अपराधों के आंकड़े खास कर महिलाओं के प्रति बढ़ा है, कैसे बढ़ा है, इसलिये बढ़ा है कि हमारी अपनी पुख्ता तैयारियां नहीं है, सभी विभागों के अपने होना है कि अगर हम अभी साहू साहब से पुछ दे कि साहब आपके यहा कोई ऐसा डेटा आंकलन करने वाला व्यक्ति है क्या ? तो बोल देंगे हमारे पास स्टाफ नहीं है, स्टाफ का कमी हर विभाग जुझ रहा है ये मुझे लगता है और जब हम संभाल नहीं सकते, मेरे अगर कंट्रोल में कोई चीज नहीं है तो इनकंट्रोल करने का मतलब नहीं है किसी भी काम को बेरोजगारी और ये सारी चीजो पे तो हम बाद में बात रखेंगे। यहॉ के स्थानीय युवाओं को कोई भी सम्मानजनक यहॉ पर कोई काम इन्होनें आज तक उपलब्ध नहीं कराया है और खास करके महिला रोजगार का कहीं भी अगर आप हमारे पुरे संसाधन ले रहे है तो आप हमारे सम्मानित महिलाओं खास करके आदिवासी महिलाओं, युवाओं को आप एक सम्मानित रोजगार नहीं दे रहे है। आपके ई.आई.ए. में ही नहीं है कि आप इनको रोजगार दे। मैडम अब मैं बात कर रही हूॅ कि आज की जो जनसुनवाई है प्रस्तावित स्पंज ऑयरन का जो 29,700 टी.पी.ए. का ये जो नई सुविधा पैलेट प्लांट आज मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड आज करवा रहा है जनसुनवाई इसके कुछ–कुछ प्वाइंट को अगर आप देखेंगे तो इसमें काफी मात्रा में एक मजाक लगता है। ये बोलते है कि आपको बता दूं कि 8.2 अगर आप देखेंगे तो इसमें इन्होने जिस तरीके से केलो नदी को 8 किलोमीटर दूर बता दिया है जो डेम है, और जिस तरीके से इन्होने अलग–अलग नकली बाते इन्होने रखा है ये बोलते है आद्रता इनका है अधिकतम ये बोल रहे है कि तापमान यहा पर न्यूनतम 13.1 सेल्सियस है यहा पर और अधिकतम यहा पर 41.4 सेल्सियस है तो इसी का अगर आप देखेंगे ये वाला ई.आई.ए. तो ये बोलते है कि यहा पर 9 था, 2021 में 9 प्वाईंट था और ये बढ़कर 13 हो गया है। मैं अगर दोनो ई.आई.ए. पढ़ना है तो मैं दे सकती हूॅ तो इस तरीके से इन्होने केवल फर्जी रिपोर्ट्स बनाये है। इनका कहना है कि सिंघनपुर गुफा 7.0 किलोमीटर पर है। अगर आप यहा खड़े होकर जी.पी.एस. निकालिये आपको समझ में आ जायेगा कि जहां पर ये जनसुनवाई हो रही है केवल मात्र 3 किलोमीटर पर है और पता नहीं क्यों ये जब बनाते है कब बनाते है ये ई.आई.ए., किससे मिलते है, किसकी अनुमति होती है पेशा क्षेत्र में कि ये वहां का जल प्रदूषण भी जांच लिया, वहा का मिट्टी

प्रदूषण भी जांच लिया, वहा के अनाज भी जांच लिये। ये हर चीज फर्जी इस ई.आई.ए. का एक टुकड़ा, उस ई.आई.ए. का एक टुकडा कम्प्यूटर में बैठकर बना रहे है तो ऐसे ई.आई.ए. बनाने वाले जो सरकार को और समाज को गलतफहमी पैदा करते है इनके ऊपर तत्काल एफ.आई.आर. करके जांच कमेटी बैठानी चाहिये कि इनके यहा जो विद्वान वैज्ञानिक है ये इनके पास इतना बड़ा टीम है कि हर 2 महिने में एक जनसुनवाई का इतनी बारिकी से अध्ययन कर ले रहे है, किससे मिला है, कहा से मिला है, किस लिये मिला है, ग्रुप डिस्कशन किससे किया है, इंटरव्यूह किससे लिया है, सरकार से आंकड़े कहा से लिया है ये सारी चीजो की बारीकी से जांच हो जाये तब कही ऐसे ई.आई.ए. पर विश्वास करनी चाहिये, ना कि फर्जी किसी ने भी इससे बेहतर ई.आई.ए. बनाकर मैं आपको दे सकती है यकीन मानिये और आप उसमें जनसुनवाई करायेंगे तो आपके ई.आई.ए. में गलती नहीं होगा, क्यों नहीं होगा इसलिये उस ई.आई.ए. को बनाने में स्थानीय ग्रामीण महिलाये शामिल होंगी, आदिवासी समुदाय होगा, उसमें युवा होंगे, बुजुर्ग व्यक्ति होंगे, उसमें बैध होगा, बैगा रहेंगे। यहा के लोगो की जो भौगोलिक दृष्टि है, भौगोलिक समझ है, मौसम का जो ज्ञान है, जो यहा के जलवायु के बारे मे मालुम है जैव विविधता के मामले में इनसे बड़ा कोई जानकार नहीं है और ऐसा कोई व्यक्ति इस ई.आई.ए. को बनाने में शामिल नहीं हुआ है इसलिये भी ऐसी फर्जी जनसुनवाईयों का ऐसी फर्जी ई.आई.ए. में अपना सम्मान बचाते हुये ऐसे जनसुनवाई को तत्काल निरस्त करके कृपा करके आप वापस चले जाईये ये सुलझा हुआ तत्काल जिला प्रशासन का निर्णय होना चाहिये। आपको बता दूं ये बोलते है बंजारी मंदिर और ये बोल रहे है गवर्नमेंट हाई स्कूल जितने भी ये डेटा डाले है ये कोई भी विश्वसनीय डेटा नहीं है केवल इन्होने झुठ ही झुठ डाला है इसमें पढ़ने लायक मैं इसको 5–7 बार देखी लेकिन मुझे नहीं लगा कि इसको बहुत बारीकी से करना चाहिये क्योंकि ऐसा इसमें इन्होने कुछ भी नहीं लिखा है कि एक ग्रामीण क्षेत्र, पेशा कानुन क्षेत्र का व्यक्ति या महिला इसको पढ़ पाये, समझ पाये इसके बाद आपको राय हॉ या नहीं में दे पाये या सुझाव, टिप्पणी कर पाये तो ऐसी जनसुनवाईयों का कोई औचित्य नहीं रह जाता। आपको बता दूं कि मैं क्यों इस जनसुनवाई में शामिल हुई हूँ और क्यों बात करने आई हूँ। मैडम ये जो ई.आई.ए. बना है इस ई.आई.ए. में मैं जिस गांव की रहने वाली बरलिया की हूँ मैं वहा की सीधा प्रभावित हूँ। मैं प्रभावित व्यक्ति के रूप में आपके सामने बात रख रही हूँ, मेरा गांव, मेरा क्षेत्र नुकसान हो रहा है, मेरा केलो डेम खतम हो रहा है, मेरे चार, महुआ, तेंदु और हमारे यहा के जैव विविधताये खतम हो रही है। इवेन हमारे यहा जो बंदर आ रहे है वो भी उनके स्कीन कैंसर से पिड़ित बंदर आ रहे है, वो गावों के छतो में बैठ रहे है और वो बीमारी कही बड़ी महामारी कोविड के बाद ना साबित हो जाये। जो भी यहा जानवर आ रहे है उसके खाल में घाव–घाव है, उनका जबान नहीं खुलता, अगर उनका जबान खुलता इंसानों की तरह तो शायद उनकी ज्यादा शिकायत लिखित और मौखिक रूप में आपके पास आती तो ऐसे मुखप्राणियों का वन्य जीव संरक्षण जो 1972 का कानुन है उसका मजाक नहीं उडाया जाये, ऐसी फर्जी जनसुनवाईयां ना कराया जाये और तत्काल ऐसी जनसुनवाईयों के विस्तार जैसे मुद्दो को तो बिलकुल नहीं देना चाहिये क्योंकि

इनको पास ना तो पानी है उद्योग चलाने के लिये, ना बेहतर मैनेजमेंट है अपने प्रदूषण को व्यवस्थित रखने के लिये और ना ही इनके पास कोई ऐसी योजना है जिससे आगे चल कर ये जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दो पर ये काम कर पाये, हरित पट्टिका का जो इनका पिछला परियोजना है उनसे इन्होने कुछ भी नहीं किया, किसी भी महिला को, किसी भी बच्चे को इस तरीके से इन्होने कोई भी मदद नहीं किया है। आपको बता दूं इन्होने कहा है कि ऐसे कामो में बहुत लोगो को धोखा हो जाता है कि ये रोजगार देंगे, किसको देंगे और कितना देंगे इसपर भी आ जाते है। मैडम यहा पर ये बता रहे है कि इनके यहा जो नौकरी देंगे वो मुश्किल से ये 120 लोगो को नौकरी देंगे और 120 में से 90 आलरेडी इनके पास में है तो 120 में 90 घटा दीजिये जितना बचेगा वो स्थानीय मजदूरी, चौकीदारी होगा ना कि यहा का सम्मानित कृषक अपना जमीन दे–दे, अपना सारा पानी दे–दे, अपना पर्यावरण दे–दे, अपना जीवन–शुकुन–शांति सब दे–दे, और वो बोल रहे है कि छोटे–छोटे ये मुर्गी फारम खुलवायेंगे, छोटे–छोटे ये पान ठेला की बात कर रहे है। मुझे ताज्जुब लगता है कि एक सम्मानित आदिवासी समुदाय को ये इतना सारा प्रदूषण देने के बाद ये मुर्गी बिकवायेंगे, ये अण्डे बिकवायेंगे और मजेदार चीज है कि ये पान बेचने की बात कर रहे है तो ये क्षेत्र के लोग भी समझे। सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है कि खास करके हम ये मानते है कि आप एक जज है और तमाम अगर आपत्तियां है, लिखित पेपर है, कागजात है तो उस आधार पर ये जनसुनवाई को तत्काल निरस्त करना चाहिये और अगला किसी भी किसम का इस जनसुनवाई में सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि पुरी खाली कुर्सी है। 11 बजे से 5 बजे तक ये जनसुनवाई होनी है, लोग आये की ना आये आप इंतजार करें क्योंकि रास्ता बहुत खराब है, बहुत मुश्किल से हम लोग 9 बजे से निकले है और आपके पास आये है तो जैसे जनसुनवाई पिछले में 11 से 12 बजे जिला प्रशासन उठ गया बिना सुने तो, तो लोग रास्ते में ही रह गये और अपनी बात नहीं कर पाये तो किसी भी डिसिजन को जब तक एक बड़ा सामुहिक समर्थन या विरोध नहीं होगा तब तक आपको सुनने के लिये कृपा करके आप रहे और अभी तक महिलाये जिस तरीके से अभी तक जनसंख्या यहा का है, जिस तरीके से वोटर लिस्ट अनुसार है उसी आधार पर महिलाओं के संख्या के आधार पर उनका पक्ष आना, खासकर आदिवासी महिलाओं का पक्ष आना आवश्यक है इसलिये इस जनसुनवाई को अभी फिलहाल के लिये स्थगित करे जब भीड़ आयेगी लोग आ जायेंगे तब ये जनसुनाई कराये। मैं इसका लिखित और मौखिक आपत्ति करती हूँ ऐसे जनसुनवाई का। आपने मुझे मौका दिया बोलने का, ध्यान से सुना और मेरे अलावा कोई है भी तो नहीं तो क्या करेंगे मजबुरी है तो बहुत शुक्रिया मैं लिखित में दे रही हूँ उम्मीद है कि आप मुझे पावती देंगे और ये कानुनी रूप से ऐसे जनसुनवाईयों को तत्काल अगर मैं होती कोई प्रशासनिक अधिकारी तो ऐसे जनसुनवाईयों को कतई नहीं करती। धन्यवाद!

333. कमल प्रसाद राठिया, आमापाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

334. हेमराज महंत – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

335. अंबिका प्रसाद राठिया – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

336. विनोद सिंह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

337. श्यामलाल यादव, भुईकुर्री – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

338. ध्रुव प्रसाद राठिया – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

339. नवरंग – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

340. घुराउ यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

341. किसन – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

342. महेत्तर चौहान – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

343. लाल सिंह, भुईकुर्री – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

344. कमल सिंह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

345. चैतराम मांझी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

346. रोहित – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

347. हरिराम चौहार, भुईकुरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

348. राजेश त्रिपाठी, जनचेतना रायगढ़ – आज जो जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है ये 14 सितम्बर 2006 के केन्द्रीय वन पर्यावरण मंत्रालय के अधिसूचना के अनुसार किया जा रहा है जिसमें स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि कंपनी के आवेदन के 45 दिवस के अंदर राज्य सरकार जनसुनवाई का आयोजन करवायेगा। अगर किसी कारणवास 45 के अंदर जनसुनवाई नहीं हो पाती उन परिस्थितियों में केन्द्रीय वन पर्यावरण मंत्रालय एक समिति का गठन करेगा और वह समिति जनसुनवाई का आयोजन करवायेगी। ये भारत सरकार का जो गजट है। 14 सितंबर 2006 पेज क्रमांक 32 पैराग्राफ नंबर 02 में स्पष्ट लिखा गया है और मुझे लगता है कि जो ये आज की जनसुनाई हो रही है यह आवेदन के 45 दिवस के अंदर नहीं बल्कि ये डेढ़ साल बाद हो रही है अगर उन नितियों के आधार पर देखा जाये उस कानून के आधार पर देखा जाये तो आज की जनसुनवाई जो है ओ अवैध है और मुझे लगता है की उन कानूनों के आधार पर जनसुनवाई को निरस्त कर देना चाहीये। पिछले दिनों तराईमाल में काफी जनसुनवाईयां हुई थी और मैने मैडम से एक अनुरोध किया था कि भारत सरकार का जो गजट है स्थल चयन के विषय में यह कहा है कि परियोजना स्थल के ऊपर या परियोजना के सबसे नजदीक स्थल जनसुनवाई का आयोजन किया जाना चाहीये और आपने इस बात को स्वीकार किया और आज की जनसुनवाई परियोजना स्थल के नजदीक आयोजित करवा रही है। इस बात के लिये जनसुनाई के मंच का हार्दिक स्वागत करता हूं, धीरे–धीरे ही सही पर विधिवत ढंग से हमारे और आपके बीच में जानकारियों का आदान–प्रदान हो रहा है तो हम धीरे–धीरे सही होते जा रहें हैं। मैडम ये जो आज की हमें जो इआईए रिपोर्ट लगभग अभी जो जनसुनवाईयां हो रही है और इसके पहले जो छः जनसुनवाईयों हो चुकी है और

लगभग इस 10 किलोमीटर के रेडियस के अंदर ही जो परियोजना है उनकी जनसुनाई हो रही है, अगर सभी का डाटा देखा जाये तो डाटा में लगभग काफी चेंजेस हैं। पहली बात यह कि इस क्षेत्र की जो जानकारीयां दी गई हैं वो वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार दी गई है जो कि केन्द्रीय वन पर्यावरण मंत्रालय यह कहता है कि जो आपकी स्टडी रिपोर्ट होगी जो पर्यावरणीय अध्ययन रिपोर्ट होगी उसमें साढ़े तीन साल से ज्यादा जानकारीयां होंगी मान्य नहीं होंगे तो एक तो पहली बात यह है कि ये पूरी ईआईए है ये कट इन पेस्ट है जो 2008 में एक जनसनुवाई हुई थी नलवा की तराईमाल में जब डॉ. राजू यहां के कलेक्टर हुआ करते थे। अगर उस जनसुनवाई के ईआईए को अगर आप देखेंगे तो जितनी भी ईआईए बनी है वो उस 2008 की ईआईए कट इन पेस्ट ईआईए है अबतक हमने लगभग 60 ईआईए को चेक किया है। दूसरी बात यह है कि जब इस कंपनी के एक नक्शा लगा हुआ है मैडम पेज नंबर 4 में और पेज नंबर 4 में जो इन्होने टोपोशीट का नक्शा लगाया है अगर उसके क्षेत्र को आप चेक करें, सराईपाली के 10 किलोमीटर के रेडियस में ग्राम जीवड़ी, जामचुंआ, बरगुड़ा, भुंइकुर्री, राबो, बिलासखा, गदगांव, हर्राडीह, छर्राटांगर, तुमिडीह, तिभौटी इधर तराईमाल, उज्जलपुर, सामारूमा, गेरवानी, लाखा, चिराईपानी ऐसा करके छोटे–बड़े लगभग 30 गांव आते हैं और यह क्षेत्र पांचवी अनुसूची क्षेत्र है जहां कानून के अनुसार न केवल ग्राम पंचायत में बल्कि जो गांव अधीनस्थ गांव है वहां भी ईआईए की जानकारी होनी चाहीये पर जो कंपनी ने ईआईए वितरण किया है। ये केवल आस–पास के केवल 10 गांव में दिया गया है तो ये जो 10 किलोमीटर के अंदर का प्रभावित एरिया है वहां के प्रभावित लोगों को ईआईए मिली ही नहीं है उनको जानकारी ही नहीं है। दूसरी बात यह कि जब हम पर्यावरणीय मापदण्डों की बात करते हैं। इनके अध्ययन रिपोर्ट में एक चीज हमने देखा कि इन्होने कहा है कि इस पूरे क्षेत्र में जो अध्ययन किया है। अध्यन डेट इनका 1 दिसंबर 2021 से 28 फरवरी 2022 है और मैडम इसी गांव में 01.06.2021 को सराईपाली गांव में दो बड़े तालाब हैं जो एक लगभग 2 एकड़ है और एक लगभग 3 एकड़ का है और इस क्षेत्र में लगभग 15 साल लगातार काम किया हूं मुझे मालूम है उस तालाब में ये आपकी ईआईए रिपोर्ट है इस तरीके से मछलियां व्यापक पैमाने में यहां मरी हैं और यह प्रदूषण की वजह से ये मछलियां मरी हैं जो हैवी वेट जो हमारे चिमनियों से निकलता धुंआ जो पानी में घुलता है तो बरसात के दिनों में यह पानी बहता है तो यह चलता रहता है इसिलिये उसका उतना इम्पेक्ट नहीं होता पर जैसे–जैसे ठण्डी के दिनों में पानी में उतना असर नहीं पड़ता पर जब गर्मी के दिनों में जब यहां 40, 45 सेल्शियस बढ़ता है जब गर्मी बढ़ती है उस दौरान उसके जो रासायनिक दुर्गण निकलते हैं जो 32 प्रकार के हैवीवेट मटेरियल पाये जाते हैं। उसका इम्पेक्ट यह होता है कि उसका जल जीवन पर इसका व्यापक रूप से प्रभाव पड़ता है, और उसका परिणाम ये हुआ कि जब इस तालाब में यह मछलियां मरी इसका लिखित शिकायत उस समय में लोगों ने कलेक्टर भीमसिंह साहब को दिया था और समय पर्यावरण विभाग में जो

उस समय पर्यावरण अधिकारी थे उनके पास भी इन्होने जमा किया था और मेरी जानकारी के मुताबिक इसकी जांच भी करवाई गई थी पर जांच रिपोर्ट में क्या हुआ उसका मुझे नहीं मालूम। दूसरी बात मैडम जब हम विस्तार की बात करते हैं तो 10 किलोमीटर के एरिया के अंदर देखा जाये तो क्या इस कंपनी को जो पहले पर्यावरणीय स्वीकृति मिली है और वर्तमान में विस्तार हो रहा है तो क्या इन्होने पर्यावरणीय मापदण्डों का पालन किया है जैसे इनके औद्योगिक क्षेत्र के कुल जमीन का 33 प्रतिशत हिस्से में वृक्षारोपण किया जाना चाहीये। नबंर दो इनको धुल न उड़े उसके लिये पानी के फव्वारे की उस तरीके उद्योग में व्यवस्था है। नंबर तीन इस कंपनी के विस्तार के पहले जो कंपनी अभी वर्तमान में भू जल दोहन कर रही है और इस कंपनी का भू जल दोहन लगभग 29000 के आस–पास इसका टीपीए की अभी तक की क्षमता थी। जब हम इसको ये लगभग 211200 टीपीए इसकी क्षमता हो जायेगी यानी वर्तमान क्षमता से लगभग 8 गुना ज्यादा क्षमता का विस्तार हो रहा है तो अगर यदि 8 गुना क्षमता का विस्तार हो रहा है तो 8 गुना ज्यादा इनको कोयला भी चाहिये, 8 गुना ज्यादा कच्चा मटेरियल भी चाहिये, 8 गुना ज्यादा इनको पानी भी चाहिये और साथ में इनका लगभग 43 मेगावॉट का कैप्टिल पॉवर प्लांट भी लगेगा जिसके लिये 1 मेगावाट के लिये लगभग 16 घनमीटर पानी एवं 26 टन कोयले की आवश्यकता पड़ती है पर डे तो इनके यहां जो कोयला जलेगा 600 टन के आस–पास पर डे प्रतिदिन और उसका जो राख निकलेगा लगभग 70 प्रतिशत यदि निकाला जाये तो ये लगभग 350 टन तो क्या कंपनी के पास फ्लाईऐश रखने के लिये ऐश डाईक है या नहीं जो होना चाहिये अनिवार्य रूप से और मेरी जानकारी के मुताबिक कंपनी का स्वयं का जो डस्ट निकलेगा मटेरियल निकलेगा रॉ फ्यूल निकलेगा उसको रखने के लिये इस ईआईए के अंदर कहीं भी कुछ नहीं लिखा गया है और तीसरी महत्त्वपूर्ण बात यह है कि तो क्या कंपनी ने जो पिछले साल जो भू जल दोहन किया है जिसका 9.50 रूपये/घनमीटर इस पानी का जलकर पटाया है क्या ? मेरी जानकारी के मुताबिक रायगढ़ के 18 ऐसे उद्योग हैं जो आज तक उद्योग आज भी चल रहे हैं पर उनके द्वारा जलकर नहीं पटाया गया है। अगर यह जलकर कंपनियां पटाती है तो रायगढ़ के बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैस मूलभूत सुविधायें इनमें इस पैसे को खर्च किया जाता। कंपनी के ईआईए ने यह भी कहा है कि काफी लोगों को यहां रोजगार दिया जायेगा। मेरी जानकारी के मुताबिक कंपनी ने स्थानीय केवल एक आदमी को रोजगार दिया गया और वो भी राजनीतिक संरक्षण के दबाव में कंपनी के लोगों को हमने यह भी कहते सुना कि ठीक अगर इनके उपर राजनीतिक हस्तक्षेप, प्रशासनिक हस्तक्षेप तो नौकरी में रख लो पर दो चार को इतना प्रताड़ित करो कि वह खुद उसको छोड़कर भाग जाये, और दो चार पांच महीने में ऐसे बहुत यूथ लोग है कि जो कंपनी में काम तो करते हैं लेकिन उनको इतना ज्यादा प्रताड़ित किया जाता है स्थानीय लोगों को दो चार पांच महीने में नौकरी छोड़कर चले जाते हैं, और कंपनी के ये दावें बन जाते हैं कि हमने तो रोजगार दिया पर

गांव के जो स्थानीय लोग हैं वो कंपनी में काम करना नहीं चाहते ओ छोड़कर चल देते हैं। तो इसका भी अगर कंपनी में स्थानीय लोगों की बात करें तो कहीं न कहीं इस दस्तावेज के मुताबिक स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं दिया जा रहा है और पूर्व कलेक्टर जो तारन प्रकाश सिन्हा जी थे इन्होने कई ऐसे कैम्प लगाये जब स्थानीय लोगों ने स्थानीय उद्योगों में रोजगार की बगावत को उन्होंने सुनी और उन्होने कहा कि हम इस मुहिम को आगे बढ़ायेंगे तो मुझे लगता है कि स्थानीय लोगों में कम से कम 50 परसेंट स्थानीय उद्योगों में रोजगार की हिस्सेदारी होनी चाहिये और जो क्षमता यहां स्थानीय स्तर पर उपलब्ध नहीं है उन्हीं क्षमताओं को यहां स्थानांतरित करके यहां रोजगार के पथ पर लाया जाना चाहीये। मैडम जब मैं इनके ईआईए के अध्ययन का तो मैं जब यहां जा रहा था तो मैं रायगढ़ से पूरे जीपीएस की स्टडी लेते हुये आया पूरे पूंजीपथरा होके आया कि अगर वास्तव में हम इस पूरे मामले को लेके एनजीटी में जाना है। यह मैं देना चाहूंगा जो एनजीटी न अभी आदेश किया है, और एनजीटी ने 21.11.2021 को, बिलासपुर हाईकोर्ट ने भी पर्यावरणीय जनसुनवाई के प्रक्रिया पर यहां के मेम्बर सेक्रेटरी जो पर्यावरण सचिव छत्तीसगढ़ हैं, कलेक्टर रायगढ़ हैं, पर्यावरण अधिकारी हैं उनको भी इन्हें बिलासपुर हाईकोर्ट ने एमएसपी कंपनी के जनसुनवाई में पार्टी भी बनाया गया था और पार्टी बनाने के बाद इन्होने स्पष्ट किया है जो 14 सितंबर 2006 की अधिसूचना है उन मापदण्डों को जनसुनवाई के प्रक्रिया के दौरान किस प्रकार से पालन किया जाना है। इन्होने ने अपनी ईआईए में कहा काफी ज्यादा चारों तरफ जंगल है। जब यहां उद्योग नहीं थे तो मैंने जल ग्रहण विकास मिशन का करीब 8 साल तक इस क्षेत्र में काम किया तब यहां 800 बोरा धान का उत्पादन होता था। अब मैं यहां यह कह सकता हूं कि एक यहां धान खरीदी मंडी है जहां लगभग 8 लाख टन धान की खरीद्दारियां होती हैं, तो उत्पादन उनके चलते बड़ा जिस तरीके से चारों तरफ उद्योग यहां बैठे उसका स्थिति यह हुआ कि लगभग अगर आस–पास के सभी उद्योगों को ग्राउण्ड वाटर पानी में इस सराईपाली गांव के अंदर वर्तमान में 6 उद्योग चल रहे हैं और उसका हमने लगभग 6 साल की जो रिपोर्टिंग की थी लगभग यहां 6.5 मीटर सरप्लस पानी का मीटर हमने 95 से लेके 2004 के बीच में हम लोग लाये थे। अभी जब गांव के लोगों से बात हुआ तो लगभग वर्तमान में 2 से 2.5 मीटर यहां जल स्तर काफी तेजी से गिर रहा है उसका इम्पेक्ट स्थानीय तालाबों में भी पड़ रहा है। यहां के जो किसान बोर उत्खनन करके जो खेती कर रहे हैं कंपनियों के जो बोर हैं ओ 1000–1000 फीट के बोर हैं तो किसानों के बोर हैं ओ 200–2500 फिट के बोर हैं, तो स्थिति है कि मार्च के बाद उनके बोर से पानी नहीं निकलता जिसके वजह से वह पर्याप्त मात्रा में खेती नहीं कर पाते। कंपनी ने अपनी इआईए में यह भी लिखी की यहां किसी भी प्रकार के जंगली जानवर नहीं पाये जाते पर अपको बता दूं कि 2015–16 में यहां कुछ जो गाय बैल खरीदने वाले व्यापारी होते हैं वो इसी सराईपाली में जहां धान मंडी है वहां वह सो रहे थे। हाथियों का एक झुण्ड आया और उसमें से जिन लोगों को नींद

खुली वहां से उठ के भाग लिये एक आदमी सोते रहा जहां इसी गावं के अंदर हाथियों से उसको पकड़ कर कुचल कर मार दिया इसी सराईपाली गावं के अंदर। इस ईआई के अंदर सविता ने टच किया था सिलिकोसिस बिमारी की हमने इस पूरे केस को छत्तीसगढ़ सरकार तक लड़ा राजस्थान में सिलिकोसिस एक्ट है। अलग–अलग राज्यों में सिलिका पत्थर में या संगमरमर पत्थर में जो काम करने वाले जो मजदूर हैं उनके लिये सिलिकोसिस एक्ट है। सराईपाली के शुरूआती जब आप इंटर करेंगें सिलिका पत्थर पीसने की एक कंपनी है और वहां वह पत्थर पीसा जाता है इस सराईपाली गांव के उसमें अलग–अलग समय में लगभग 48 मजदूरों ने काम किया था। 15 जनवरी 2015 को एक सराईपाली में हमने नीदरलैंड के एक डॉक्टर हैं उनके माध्यम से हमने कैंप लगाया था सराईपाली स्कूल में। उसमें 51 लोगों का जांच कराया था उसमें 24 ऐसे लोग थे जिनमें सिलिकोसिस प्रभावित लोग पाये गये हैं और उनमें से जो 14 लोग थे ओ अति गंभीर थे। तो उस रिपोर्ट जो निदरलैंड के जो डॉक्टर थे उसमें उन्होंने कहा था ये लगभग 3 साल के अंदर में इनकी मृत्यु हो जायेगी, और आपको बता दूं कि सराईपाली के अंदर में ऐसे चंद लोग हैं जो 3 साल के अंदर सिलिकोसिस से प्रभावित हो के उनकी मृत्यु हो गई और आज भी इस गांव में लगभग 12 सिलिकोसिस प्रभावित जो परिवार हैं जिनके लिये न तो सरकार कुछ करती न तो ये सीएसआर का दावा करने वाली कंपनियां उनके लिये एक भी कार्य नहीं करते जिनके यहां विधवा महिलायें हैं। मजे की बात यह था कि उन मरने वालों में एक 14 साल का बच्चा था जो अपनी मां का खाना लेकर जाता था जब तक उसकी मां खाने नहीं खा लेती तब तक वह वहां खेलता था और फिर टिफिन लेके ओ घर आता था। उस 14 साल के बच्चे की भी उस कंपनी की वजह से सिलिकोसिस से मृत्यु हो गई इसके आंकड़े कहीं नहीं है। इन कंपनियों ने यहां यह बतलाया कि यहां 100 स्कूलें हैं। इन्होने बताया कि लगभग 150 से 200 आंगनबाड़ी है 10 किलोमीटर के रेडियस के अंदर। क्या कंपनी की नैतिक जिम्मेदारी नहीं है कि आंगनबाड़ी मे पढ़ने वाले जो बच्चे हैं जो प्रायमरी स्कूलों एवं मिडिल स्कूलों पर जो पढ़ने वाले बच्चे हैं इनके क्या स्वास्थ्य का परीक्षण नहीं किया जाना चाहीये, और मजे की बात यह है कि रायगढ़ में हर 15 दिनो में कैसर के कैम्प लगता है संजीवनी में बड़े–बड़े बाहर के डॉक्टर आते हैं। हर कैम्प में 70–80, 70–80 मरीज भी मिले हैं। जिसको हम यह भी कर रहे हैं कि रायगढ़ जिले में पिछले 10 सालों में कैंसर है, टीबी है, दमा है, स्नोफिलिया है, स्किन कैंसर है पर इस बात को सुनने के लिये तैयार कोई नहीं है। मैं रायगढ़ के केलो विहार में रहता हूं अभी पोंछा लगाके आया हूं इधर अभी जब खाली पैर जाऊंगा जब जूता निकालकर मैं तो पूरे पैर में डस्ट जमा हो जाता है। अभी 15 दिन पहले केलो विहार में एक रिपोर्ट छपी की रायगढ़ जिले का बजरमुड़ा, पूंजीपथरा, तराईमाल, छाल, बरौद और जामपाली क्षेत्र सामान्य प्रदूषण से लगभग तीन गुना ज्यादा प्रदूषण है। जब मैं रात में करीब 8:00 बजे 9:00 बजे हमीरपुर के कंपनी के तरफ से आ रहा था जिंदल के पास

एक डिस्प्ले बोर्ड लगा है जब मैं 8:00 बजे रात को आ रहा था तो वह डिस्प्ले बोर्ड बंद था। जो एक्च्यूअल जो प्रदूषण की स्थिति है पीएम 10, पीएम 2.5 और जो उसके नाइट्रोजन ऑक्साईड, फॉस्फोरस जो उसके तत्व हैं उन तत्वों का शरीर में क्या असर पड़ता है और दूसरा अगर कहें उन तत्वों की शरीर में मात्रा क्या है तो एक्च्यूल किसी को जानकारी नहीं है और मुझे लगता है कि व्यापक पैमाने पर इसकी जानकारी दी जानी चाहीये, नहीं तो आने वाले समय हम अपने पिढ़ीयों के साथ जबरदस्त खिलवाड़ कर रहें हैं और सराईपाली में मुझे ये कहने में बिल्कुल असंयुक्त नहीं मानता कि आने वाले 5 साल के अंदर में ऐसा कोई घर नहीं होगा जो आपको मुआवजा मिला होगा वह पैसा दवाईयों में खर्च हो जायेगा और कम से कम 01–01 लाख रूपये घर से उठाना पड़ेगा दवाई के नाम से। मेरे साथ क्लासमेट जो महिला मित्र थी उनका कैंसर से उनकी मृत्यु हुई पिछले 05 साल के अंदर तो मैं ऐसे कैसे मान लूं कि आज बीमारियां नहीं है। अभी संजीवनी में जब कैम्प लगा था मैने पूछा एक डॉ. राजू हैं, राजेन्द्र अग्रवाल मेरे कुछ मित्र हैं जो सरकारी नहीं है पर सरकार सरकारी रिपोर्ट ही मानता है उन्होने कहा कि मेरे पास ऐसे 200 बच्चे जिनकी उम्र 05 साल से कम है वो स्नोफिलिया और दमा की वजह से दवाई लेने आते हैं तो आप सोचिये की रायगढ़ के अंदर बीमारियों की स्थिति है भयावह स्थिति में हम लोग जी रहें हैं, और जिस तरीके से परमिशन पर परमिशन दे रहे हैं एनजीटी ने जो कहा की आप यहां पर्यावरणीय अध्ययन कराईये मान लिजिये तीन साल पहले यह अध्ययन हो भी गया। मेरे मुताबिक 27 जनसुनवाईयां हुई है बड़े–बड़े क्षमता विस्तार के, तो परिस्थितियां यह है कि एक तो यदि हम इस पूरे अध्ययन रिपोर्ट को नहीं देखेगें। दूसरा इस क्षेत्र में जो स्तनधारियां जीव है जो बकरी है, भेड़ है, गाय है इनमें एक स्वास्थ्य कैंप है जो पशु विभाग से यहां लगाया गया था। अगर किसी किसान के पास 10 गाय हैं 10 का पहले 10 के दसों बच्चा देती थी और आज स्थिति यह है कि 7 गाय बच्चा नहीं देती क्योंकि उनके गर्भाशय में में एक गांठ पड़ गया अगर ये उनके गर्भाशय में ये गांठ पड़ा तो अगर यदि स्तनधारियों जीवों पर असर पड़ा तो हमारे घर की महिलाओं पर हमारी बहनों पर, बेटियों पर असर कैसे नहीं पड़ा होगा और कुछ नौजवान लड़कियां हैं जो 10 वीं, 12 वी. में पढ़ती है मैडम उनका यदि स्वास्थ्य परीक्षण करवाया जाये तो उनका टाईमली जो होना चाहीये उनका कुछ नहीं हो रहा है। कहीं न कहीं इसका इम्पैकट भी उनके ऊपर पड़ रहा है। तीसरी बात आपको बता दूं कि इस पूरे 10 किलोमीटर के क्षेत्र में मैडम गर्भपात का बहुत बड़ा शिकायत है गर्भपात की मात्रा बहुत ज्यादा बड़ी है। उनका कोई अध्ययन नहीं होता। ये तो कम्प्यूटर में डाटा है कम्प्यूटर में फिट करके बना लिया जाता है ईआईए इससे इम्पेक्ट ये पड़ता है कि जो असलियत है यहां के लोगों का वो जानकारी सामने नहीं आता है, तो आज के डेट में यह कह सकता हूं कि 10 किलोमीटर के रेडियस में क्षेत्र में देखेगें। अगर सबसे बड़ा मुद्दा है तो यहां का है स्वास्थ्य। 1998 मैं जब यहां आया था गलती से पढ़ाई भी ठीक की कुछ दिन नौकरी भी की फिर लगा कि नौकरी नहीं

करना चाहीये और जब मैं इस गांव में 1991 से 1995 तक मैं साक्षरता के लिये काम किया फिर मुझे लगा कि नौकरी तो नहीं करनी काम करना है लोगों के बीच में 1996 से लेकर 2008 तक यहां मैं कन्टीन्यू काम किया अलग–अलग मुद्दों के लेके। उसमें और अब में देखने में ये आ रहा है कि उस समय लोगों के पास पैसे भले न रहे हों लेकिन लोग खुशहाल ज्यादा थे। अब ये आप बताईये कि मैं इनका निकाल रहा था लगभग 211200 टीपीए आ रहा है इसमें इनको प्रतिदिन लगभग 560 टन का कच्चा माल पड़ेगा और ये इनका उत्पादित है इसको बनाने में कच्चा माल कितना लगेगा लगभग 4 गुना ज्यादा तो लगभग 2000 टन प्रतिदिन का इनको कच्चा माल चाहिये। उसके लिये हमारे जिले के अंदर सड़क कहां हैं घरघोड़ा से लेकर रायगढ़ तक एक भी दिन ऐसा नहीं होता की जिस दिन सबेरे से लेकर शाम तक चार घंटा पांच घंटा का जाम न लगता हो। पूंजीपथरा से लेके तमनार के मिलूपारा तक हमीरपुर तक ऐसा कोई भी दिन नहीं है जिसमें जाम न लगता हो। तो आखिर जो ये कच्चा मटेरियल आयेगा और बना हुआ मटेरियल जायेगा तो क्या यह हवा के माध्यम से जायेगा या सड़क के माध्यम से जायेगा तो हमारी डिमान्ड यह है कि पहले अपनी जो माल ढुलाई के अनुरूप चाहे राज्य सरकार, जिला प्रशासन या कंपनी इस क्षेत्र में सड़कों का निर्माण करना ज्यादा बेहतर होगा पहले सड़क निर्माण हो जाये ट्रांसपोर्टिंग की सुविधा बढ़ जाये इसके बाद पर्यावरणीय स्वीकृति देने का विचार किया गया क्योंकि कंपनियों से ज्यादा जो प्रदूषण हो रहा है वह सड़कों की वजह से हो रहा है। दुर्घटना हर महीने लगभग 73 मौते रायगढ़ में सड़क दुर्घटनाओं के वजह से होती है और अगर सड़क बेहतर हो हम कह देते हैं कि लोग शराब पी कर गाड़ी चला रहे हैं असलियत यह है कि हमारे जिले के अंदर सड़क का इन्फ्रास्ट्रक्चर इतना घटिया है देश के अंदर इतना घटिया रायगढ़ से जो घरघोड़ा एवं धरमजयगढ़ की स्थिति है, सड़क का इतना बुरा हाल कहीं नहीं होगा, और उद्योग पर उद्योग माईनिंग पर माईनिंग और आज लगभग 10 से 15 लाख करोड़ का पूंजी निवेश हुआ है। डीएमएफ का हाल तो आप देख ही रहे हैं। मैंने जब 2015–18 का आरटीआई मांगा तो उन्होने नहीं दिया इवेन कलेक्टर साहब ने मना कर दिया की इस आदमी को मत देना। जब राज्य सूचना आयोग में गया और पूरी मजे की बात बता दूं कि और वह मुझे राज्य सूचना आयोग के आदेश मिला यहां के जो भारत सरकार की ईडी ने जो जानकारी ली है मेरे से ली है आज मैं बता रहा हूं, और वो जानकारी का मैने अध्ययन किया आज स्थिति क्या है गलत के ऊपर गलत करते जा रहें है और वरिष्ठ अधिकारी को कहा है मंत्री का आदेश है और जो गलत पर गलत कर रहे कम से 26 लोग जेल के अंदर गलत पर गलत टिके हुये हैं। क्या उनके पास पद की प्रतिष्ठा कमी थी इज्जत की कोई कमी थी शोहरत की कोई कमी थी अच्छा पद था सम्मान था पर हो क्या रहा है। कल 16 लोगों पर फिर शराब घोटाला एवं कोयला घोटाला पर एफआईआर हुई है। ये हो क्या रहा है इतना हमारा नैतिक पतन चारित्रिक पतन गिर रहा है। हम क्यों अपनी बात को सीना ठोक कर

ईमानदारी से अपनी बात को क्यों नहीं कह सकते, और मुझे लगता है की इसी बात के लिये मैं जाना जाता हूं यह तथ्य है किसी को अच्छा लगे बुरा लगे कोई फर्क नहीं पड़ता है जो सत्य है उसको हम कहेंगे तो हमारा आप लोगों से अनुरोध यही है जो इस क्षेत्र के डॉक्टर हैं जो इस क्षेत्र के अलग–अलग विभाग के जो कर्मचारी हैं उनकी एक जमीनी स्तर पर अध्ययन हो और यदि यहां की कंपनियां केवल मेरे को न्यूनतम आर्थिक मदद कर दे तो इस पूरे क्षेत्र के लिये हम और हमारी टीम जैसे अभी जुलाई, अगस्त, सितम्बर और अक्टूबर इस पूरे क्षेत्र में मशरूम कितने प्रकार के निकलते हैं, हमारे जंगल में कितने प्रकार की वन औषधि निकलती है। हमारे जो आदिवासी बाहूल्य क्षेत्र है उस क्षेत्र के लोगों के परम्परागत खाद्यान क्या है इनकी स्टडी हमने पूरी स्टडी चार महीने के अंदर की तारण प्रकाश साहब को पूरी स्टडी रिपोर्ट बनाकर हमने दिया कि साहब ये निकलकर हमारे जिले के अंदर आया है तो उन्होने और कई सारी चीजों की सलाह दिया है मैं अगर इस जिले में रहूंगा तो आप निश्चित रूप से इस जिले के अंदर काम करीये। सर मैं यह कहना चाहूंगा कि कंपनियों में ईएसपी तो लगा है और मैं आपको बता दूं कि मेरी जानकारी के मुताबिक अगर कोई भी कंपनी का ईएसपी विधिवत संचालन करती है तो पर टन इसकी लागत 500 रूपये बढ़ जाती है, और वो 500 को बचाने के चक्कर में 5 लाख लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ होता है। अगर किसी कंपनी का 1000 टन प्रतिदिन का प्रोडक्शन है सोंचिये 500 रूपये पर टन पर बचता है तो मेरे कहने का मतलब यह है कि 5 लाख 10 लाख लागों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं। आप एक्साइज ड्यूटी भी आप बचा लो, और ईएसपी का जो खर्च है ओ भी आप बचा लो कोयले की भी हेराफरी करवा लो, पानी का भी टैक्स मत दो तो फिर ये डेवलपमेंट का जो मापदण्ड है विकास को हम जिस परिधी में देखते हैं वो विकास का मापदण्ड क्या होगा। मेरा यह कहना है कि विकास जब तक सराईपाली और उस क्षेत्र के आस–पास के गांवों के प्रत्येक परिवार के प्रत्येक व्यक्ति का विकास नहीं होगा और गिने चुने लोगों का अगर विकास होगा तो उसे विकास के मापदण्ड में मापना नहीं चाहिये। इस क्षेत्र के जो रहने वाले लोग हैं प्रत्येक बच्चे को अच्छा स्वास्थ्य अच्छी शिक्षा, अच्छा सड़क, अच्छा बिजली, अच्छा पानी, अच्छा रोजगार यदि उपलब्ध हो पाता है तब विकास के मापदण्ड के पैमाने में यहां जब मैं सराईपाली गावं आया था तो इस गांव में आठवीं से आगे लड़कियां पढ़ने नहीं जाती थी। मैने यहां घर–घर जाकर अभियान चलाया था कि लड़की क्यों पढ़ने नहीं जा रही हैं तो उन्होने कहा कि हम पढ़ना तो चाहते हैं लेकिन घरवाले पढ़ने नहीं देना चाहते। टेण्डा नवापारा एक सेंटर था वहां 10 वीं होता था तो मैने गार्जियन से बात की लड़कियों को क्यों नहीं पढ़ने जाने देते तो सराईपाली के गार्जियन जो लोग थे उनका कहना था कि बच्चियां बिगड़ जायेंगी फिर सुरक्षा मामला इस प्रकार के जो 27–28 परिवार थे जिनके लिये भोपाल से जाके स्वतः प्रयास करके 10 वीं तक के स्कूल का प्रयास किया यहां भवन बना मेरे दादा उस समय विधानसभा के अध्यक्ष थे। लाया स्कूल खुला 10 वीं

तक बच्चे पढ़ने लगे टेण्डा नवापारा में इनका बोर्ड बना, यहां परीक्षा देने लगे और मैडम स्थित यह हुआ कि 10 वीं कि 27 बच्चियों में से 16 बच्चियां फरर्टक्लास थी और 13 ऐसी बच्चियां थी जिनकी शादी हो चुकी है जो ससुराल में हैं वो शिक्षाकर्मी वर्ग–2 में नौकरी कर रहें हैं और उसके बाद जो वो बना इस गांव के सबके सब लड़के लोग पढ़ रहें हैं और लड़कियों का जो स्तर है वो भी बड़ा आज इस गावं में 12 वीं तक का स्कूल हो गया है। कई बच्चे यहां इंजीनियरिंग में निकले कई बच्चे जो मेडिकल में निकले इस गांव के दो बच्चे हैं जो एक डिप्टी कलेक्टर एवं एक डीएसपी बना है सराईपाली गांव के बने हैं। तो ये इस तरीके ये भूमिगत मैं कहता हूं कि अगर हम लोग बिना साधन के लोगों के बीच में इस तरीके के लोगों की मदद कर सकते हैं। तो कंपनी के पास अगर सीएसआर मद है तो कम से कम गांव के लोगों को अच्छी शिक्षा, अच्छा पेयजल, अच्छा स्वास्थ्य दे सकते हैं। तो इन बातों के लेके एक गहन विचार करना चाहिये प्रशासनिक स्तर पर भी मुझे लगता है कि उनके इस विषय में विचार करना चाहिये और मुझे लगता है कि प्रदूषण के जो मापदण्ड हैं प्रदूषण जो गरीब एवं अमीर का मापदण्ड नहीं देखता मैं देखता हूं कि रायगढ़ के अंदर जो कैंसर के मरीज है, स्नोफिलिया के मरीज हैं, स्किन कैंसर के मरीज हैं ओ गरीब परिवार हैं ही उस दिन बड़े–बड़े सेठ भी उस दिन जांच करवाते देखा संजीवनी में तो कैंसर के लक्षण काफी ज्यादा मात्रा में मिल रहे हैं। तो इसके प्रति लोगों को संवेदना पूर्वक विचार करना चाहीये। जय हिंद जय भारत, जय छत्तीसगढ़, और आप सब लोगों को बहुत–बहुत धन्यवाद् कि मुझे अपनी बात कहने का अवसर प्रदान किया। धन्यवाद!

349. कमला यादव, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
350. सोनकुंवर – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
351. गीताबाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
352. गणेश सारथी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
353. समारी बाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
354. ताराबती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
355. कांती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
356. मोहमती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
357. उत्तरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
358. समणमती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
359. गुलाबो बाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
360. बुधियारिन, हर्राडीह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
361. रीतु राठिया, – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

362. उर्मिला चौहान – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

363. निला बाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

364. बिमला, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

365. रजनी चौहार, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

366. सावित्री, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

367. अभिसत्ता – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

368. उमेश प्रधान, सराईपाली – हम यहां विगत 5 साल तक पीढ़ी हैं। आज उद्योग के आने से हमारे क्षेत्र में गरीबी नहीं है, सभी को रोजगार मिल रहा है। ये सिलिकोसिस बिमारी है वह स्पंज आयरन का नहीं है। स्पंज आयरन से काई सिलिकोसिस बिमारी नहीं होता है किसी का जान नहीं गया है। और स्थानीय उद्योग पर्यावरण के लिये हमेशा लगे रहते है। हमारे क्षेत्र शिक्षा के क्षेत्र, धार्मिक अनुष्ठान और भरपूर यहां के लोगों को रोजगार दे रहें हैं। मेसर्स सुनील स्पंज आयरन से हमारे क्षेत्र को बहुत त्यादा फायदा है चाहे व्यवसायी हो, किसान हो चाहे प्राइवेट इम्प्लोई हो। तो सभी विकास को देखते हुये मैं मेसर्स सुनील स्पंज आयरन को तहे दिल से समर्थन करता हूं। जयहिन्द।

369. मुरली साहू, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

370. रामनाथ साहू, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

371. भुनेश साहू, – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

372. सुखलाल – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

373. भगतराम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

374. कुलदीप – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

375. संतोष राठिया, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

376. दानीराम, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

377. टेकलाल – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

378. कन्हैया गुप्ता, तुमीडीह – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

379. भगतराम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

380. अमलेश – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

381. भगत, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

382. हरिसिंह, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

383. रमेश, बरपाली – हमारा ठेकेदार परमानेंट करूंगा बोला था लेकिन नहीं किया है जो होना चाहिये।

384. मुकेश सारथी, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

385. अशोक सोनी, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

386. राजेश सारथी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

387. राजेन्द्र, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

388. कुमार सारथी, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

389. भीखारी लाल – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

390. हरिलाल – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

391. लकेश कुमार – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

392. प्रहलाद – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

393. उग्रशेन – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

394. श्यामलाल – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

395. यदुमणी यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

396. गंगाधर, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

397. दीलिप कुमार भोय – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

398. कौशल प्रसाद – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

399. वैष्णव दास – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

400. महेन्द्र भोय, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

401. उत्तरा कुमारी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

402. कौशल्या मांझी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

403. पार्वती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

404. चंपी बाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

405. लक्ष्मीन, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

406. पंचमती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

407. दुर्गेश्वरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

408. जमुना – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

409. शोभावती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

410. हीरामती, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

411. कुमारी बाई, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

412. रूकमणी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

413. जगमती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

414. सोना माझी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

415. कमला – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

416. रूकमणी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

417. सुकमेत – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

418. सकुन – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

419. रघुनाथ – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

420. शिवकुमार – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

421. तुला राठिया – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

422. कार्तिकराम, भुईकुरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है लेकिन इस क्षेत्र के लोगो को योग्यता के अनुसार काम मिलना चाहिये। आज हम समर्थन कर देंगे लेकिन बाद में जाने पर यहां के लोकल लोगो के लिये नौकरी नहीं है बोलते हैं।

423. गणेश चौहान, भुईकुरी – रोजगार चाहिये मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

424. मोहर राठिया, – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

425. नरेश यादव, भुईकुरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

426. दीलिप कुमार, भुईकुरी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

427. गोपी यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

428. कन्हैयालाल, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

429. बोधराम गुप्ता – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

430. इन्द्रकुमार – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

431. रामलाल मांझी, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। रोजगार मिलना चाहिये।

432. श्यामसुंदर डनसेना – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

433. भगवती राठिया – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

434. बसंती राठिया – सड़क बहुत खराब है।

435. ईश्वरी राठिया – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

436. सूरज – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

437. जयनिषाद – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

438. रोहन यादव – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

439. उमाशंकर – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

440. नरेश भगत – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

441. रमेश चौहान – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

442. राजेश गुप्ता, सराईपाली – विगत लगभग 10–12 वर्षों से यहां कंपनियां आ रही हैं रोजगार तो दूर की बात है बेरोजगारों की संख्या बड़ गई है, क्यों कि अभी मुझे कुछ लोग मिले थे उन्होने बताया कि मजदूरी नहीं दिया जा रहा है उनका कहना है कि मजदूरी उनको सही समय पर नहीं मिल रहा है। इस क्षेत्र के लोगों से हम बात करते हैं तो जो कंपनी में सुरक्षा के यंत्र है जैसे हेलमेट है, मास्क है और जूते हैं वह नहीं दिया जा रहा है वह नही दिया जा रहा है और यदि दिया जा रहा है तो उसके वेतन से उसका पैसा काटा जा रहा है। तो लोगों का कहना है यह दिक्कते हो रही वह लगातार 10 वर्षों से हो रहा है। कई बार अधिकारियों के पास जाते हैं तो केवल खानापूर्ति की कार्यवाही की जाती है। दूसरा ये जो 07 से 08 गुना विस्तार हो रहा है इससे ये दिक्कत हो रही हे जो हमारे गांव में जो दो तालाब है एक लगभग 13 से 14 एकड़ का तथा एक 3 से 4 एकड़ का तालाब है, वर्ष 2021 में हमारे गांव के महिला समूह के द्वारा मछली पालन किया जा रहा था जिससे रोजगार मिलता था वो खत्म हो चुका है और इससे जीवन यापन कर रहे थे। पर्यावरण विभाग में सैम्पल दिये थे पानी का उसका रिपोर्ट आज तक नहीं मिला है। उस समय जो पानी के डस्ट का सेम्पल दिया गया था उस समय जो खेतों से चाहे आलू हो, गोभी हो चाहे अन्य जो चीजे हैं उसका सेम्पल लेके हम लोग वहां गये थे उसका रिपोर्ट आज पर्यन्त तक नहीं दिया गया है। यहां बात हो रही वर्ष 2021 में ईआईए रिपोर्ट जो बना है, ई.आई.ए. रिपोर्ट में प्रदूषण नहीं हो रहा है बताया गया है। उस समय जो आवेदन दिया गया जो जांच के लिये तो उसे दबाकर ईआईए रिपोर्ट बनाया गया था। शायद यह जनसुनवाई होने वाली थी इस कारण उसका रिपोर्ट हमे नहीं दिया गया है ये एक सवाल है जिसका हमको कृपया जवाब दें। हमारे जान के साथ खिलवाड़ हो रहा है। यहा बहुत ज्यादा प्रदूषण हो रहा है। यहा सिलिकोसिस के लिये 03–03 लाख का मुआवजा हम लोगो द्वारा दिया गया है। यहा कुछ लोग आये थे और मुनादी की गई थी जिसके माईक से कुछ भी आवाज नहीं आ रही थी इसलिये इस गांव से कोई भी नहीं आये है। यहा जो समर्थन किये है उन लोगो को मैं जानता भी नहीं हूँ। पूंजीपथरा में रहने लायक नहीं है यहा पी.एम. की मात्रा बहुत ज्यादा है। इस जनसुनवाई को आप निरस्त कीजिये और हमे न्याय दिलाईये। इस कंपनी के पास बहुत सारे बोरवेल है जो गुप्त रूप से लगाये गये है जहां 7–8 बोरवेल लगे है जो भूमिगत जल का दोहन कर रहे है। इस कंपनी में केवल 1 आदमी गांव का है जो काम करता है। हमारे गांव के संपन्न लोग बाहर जमीन खरीद रहे है। सास लेने में परेशानी हो रही है यह क्षेत्र रहने लायक नहीं रह गया है। यहा सिलिकोसिस बीमारी से मौत हो रही है और अभी जो बीमारी से ग्रसित है उनके ईलाज की व्यवस्था की जाये। क्वार्टज की वजह से बीमारी होती है। हम लोग नवदुर्गा कंपनी गये थे वहां के पास के स्कूल में पुरा डस्ट भरा पड़ा था। इस क्षेत्र के लोगो को दमा की बीमारी हो रही है। इस क्षेत्र में जो फ्लाई ऐश होता है वो पुरा गांव

में डाल दिया जा रहा है, बरसात में ये डस्ट खेतो में जा रहा है। मैं कंपनी का पूर्ण रूप से विरोध करता हूँ।

443. किशोर, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

444. त्रिदेव, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

445. रोहित पटेल, जॉमडबरी – रोड खराब है बनाईये।

446. संतराम मांझी, बरपाली – पानी का कमी है मोटर को बनवाईये।

447. रामप्यारी, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

448. कौशल्या, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

449. गीता, सराईपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

450. बालमती – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

451. सीमा तिर्की – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

452. लक्ष्मीन सिदार, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

453. भगवती मांझी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

454. बहारी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

455. राजकुमारी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

456. हेमकुमारी, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

457. पुनीराम सिदार – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

458. अरूण कुमार – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

459. श्रीराम, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

460. नंदलाल, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

461. कमल सिंह, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

462. विनय, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

463. संतराम, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

464. मकरध्वज – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

465. चंद्रनिधी यादव, राबो – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

466. कमलेश माझी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

467. धनंजय – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

468. सुंदर साय – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

469. सुखलाल मांझी – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

470. भिखम, भुईकुर्री – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

471. सुखराम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

472. सानू – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

473. रामाधिन – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

474. उदित – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

475. चैतराम – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

476. विजय – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

477. हीरालाल – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

478. चित्रसेन सिदार – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

479. संतोष – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

480. अनुज – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

481. सूरज – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

482. शत्रुघन – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

483. विद्धा – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

484. बाबूलाल – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

485. मोहित सिदार, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

486. जयदीप सिदार – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

487. पिरासु – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

488. लक्ष्मी बाई – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

489. पूजा सिदार – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

490. संकुंतला – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

491. बुधवारिन – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

492. सरिता सिदार, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

493. चंदनकुमारी, बरपाली – मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

494. अमित कुमार भोय, बरपाली – मेरे गांव में जनसुनवाई का मुनादी भी नहीं कराया गया है और यहा जो समर्थन में आ रहे है वो 10 किलोमीटर के बाहर के है। आप बगल में झाड़ में प्रदूषण देख सकते है। यहां लोकल बोल कर नौकरी में नहीं रखा जाता है। विस्तार से नुकसान तो होगा ही इस जनसुनवाई का जो विस्तार हो रहा है मैं उसका विरोध करता हूँ।

495. संतोष पण्डा, गौरमुड़ी – आज जनसुनवाई हुआ इसलिये हम आये है और जो पहले बोलकर गया वो सत्य है। उनका गाड़ी 100 के स्पीड में आयेगा हम साईड में खड़े रहेगे। हम स्वतंत्र नहीं है। आप आये और

जनसुनवाई करवाये कोई विरोध भी करेगा तो कंपनी बंद नहीं होगा। किसी को भी काम नहीं मिलेगा। आप यहा से चले जायेंगे तो मुड़ कर भी नहीं देखेंगे। हम यहा समर्थन क्यों करेंगे, गेट के सामने खड़े होने को नहीं देंगे, सड़क पर चलने नहीं देंगे, गांव वाले से कोई मतलब नहीं है। मेसर्स सुनील स्पंज प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी ने कहा कि यदि कोई ग्रामीणजन, आस–पास के प्रभावित लोग अपना पक्ष रखने में छूट गये हो तो मंच के पास आ जाये। जनसुनवाई की प्रक्रिया चल रही है। उन्होने पुनः कहा कि कोई गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधी छूट गये हो तो वो आ जाये। इस जन सुनवाई के दौरान परियोजना के संबंध में बहुत सारे सुझाव, विचार, आपत्ति लिखित एवं मौखिक में आये है जिसके अभिलेखन की कार्यवाही की गई है। इसके बाद 03:05 बजे कंपनी के प्रतिनिधि/पर्यावरण कंसलटेंट को जनता द्वारा उठाये गये मुद्दो तथा अन्य तथ्यों पर कंडिकावार तथ्यात्मक जानकारी/स्पष्टीकरण देने के लिये कहा गया।

कंपनी कंसलटेंट श्री स्वरूप त्रिपाठी, एनाकॉल लेबोरेटरी द्वारा बताया गया कि आज जितने भी आपके ग्रीन बेस्ट, ग्रउण्ड वाटर, इन्वायरमेंट इस्सूज वाअ एवर द एकस्सेप्ट कवरिंग हीयर वी आर अलरेडी कवर्ड इन दिस ईआईए रिपोर्ट इन दैट सिनेरियो वी आर नॉट यूटिलाईज्ड ग्राउण्ड वाटर रिसॉर्सेस, हम यहां 51.50 किलोलीटर वाटर को हम लोग यूटिलाईज्ड करेंगें एण्ड दैट टू फ्रॉम द राबो डेम एण्ड पार्ट फ्रॉम द यूटिलाईजिंग फ्रॉम द रेन वाटर हार्वेस्टिंग रिगार्डिंग द ग्रीनबेल्ट डेवलोपमेंट हमारे यहां पर जितने भी एरियास हैं कोलाब्रेसन विथ रिजनल ऑफिसर ऑफ सीपीसीबी एण्ड स्टेट पॉल्यूशन कन्ट्रोल बोर्ड उनके तहत् मिलकर हम यहां काम शुरू करेंगें एण्ड पार्ट फ्रॉम द कन्ट्रोल मेजर्स इन्वायरमेंट पी आर द अरजेस्ट टू पार्टिकुलेट पॉल्यूशन सुनील स्पंज के तहत् मिलकर काम करेंगें और हम यह इन्स्योर करते हैं कि सीएसआर एक्टिविटीज के तहत् जितने भी आपके तत्व हैं उनका यहां रेगूलरी मॉनिटरिंग होगा आफ्टर दिस एक्सपांसन प्रोजेक्ट वी आर जस्ट रेगुलरली स्टेप। वी आर कॉन्क्ल्यूडिंग एण्ड वी आर थैंकफूल देम प्रिसियस प्यूपिल दैट कमिंग हीयर एण्ड वी आर रेगुलरी इन्सपेक्ट एवरीथिंग।

सुनवाई के दौरान 24 अभ्यावेदन प्रस्तुत किये गये तथा पूर्व में 06 अभ्यावेदन प्राप्त हुये है। लोक सुनवाई में लगभग 500 लोगों का जन समुदाय एकत्रित हुआ। उपस्थिति पत्रक पर 151 लोगों ने हस्ताक्षर किये। संपूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी की गई है। लोक सुनवाई में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद! आज की लोकसुनवाई की समाप्ति की घोषणा की जाती है।

(अंकुर साहू)
क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायगढ़ (छ.ग.)

(संतन देवी जांगड़े)
अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)